भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

jagrukjanta.net

24 दिसम्बर- 30 दिसम्बर 2025

पौष, पक्ष - शुक्ल, तिथि - चतुर्थी, संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-43, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

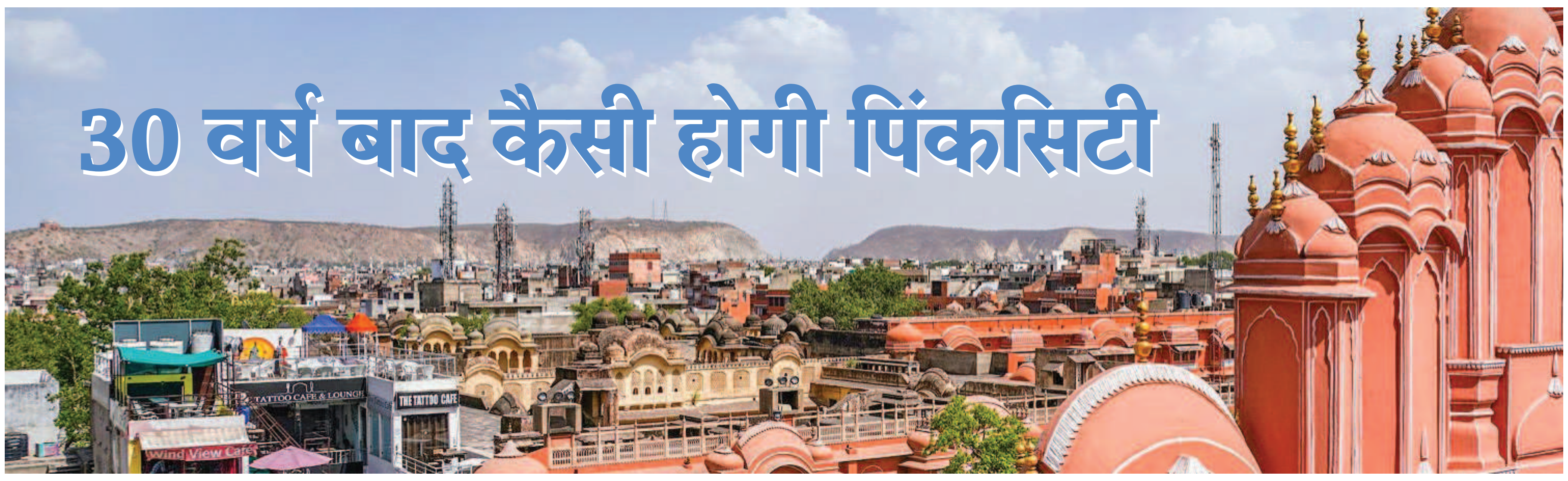

2055 तक का मास्टरप्लान, 42 हजार करोड़ से संवरेगी पिंकसिटी

एलिवेटेड रोड, ओवरब्रिज, मेट्रो स्टेशन बनेंगे कर्णधार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी जयपुर की सड़कों पर बढ़ते यातायात दबाव, जाम और बिगड़ती परिवहन व्यवस्था से छुटकारा दिलाने के लिए जेडीए ने जो कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान तैयार किया है, उसको धरातल पर उतारने के लिए 42 हजार करोड़ रुपए से अधिक चाहिए। यह प्लान वर्ष 2055 तक की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है। ये ड्राफ्ट राज्य सरकार के पास है। माना जा रहा है कि जल्द ही इसे अनुमति मिल जाएगी। इसके बाद कुछ प्रोजेक्ट की घोषणा राज्य सरकार आने वाले बजट में भी कर सकती है। प्लान पर नजर डालें तो सार्वजनिक परिवहन पर सर्वाधिक ध्यान दिया गया है। साथ ही राहगीरों के लिए भी राह आसान करने की बात सोची गई है। यदि ये प्लान चरणबद्ध तरीके से जमीन पर उतरा तो लोगों को जरूर राहत मिलेगी। वहीं, यदि फाइलों में दफन हो गया तो लोगों के हिस्से में और परेशानी आना तय है।

34 हजार करोड़ मेट्रो पर खर्च की प्लानिंग

» प्लान में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को रीढ़ बनाने पर जोर दिया गया है। ड्राफ्ट के अनुसार जयपुर मेट्रो के दूसरे, तीसरे और चौथे चरण में मेट्रो चलाने का प्रस्ताव है। तीनों चरणों की अनुमानित लागत 34 हजार करोड़ रुपए बताई गई है।

» 3550 इलेक्ट्रिक स्टैण्डर्ड बसें चरणबद्ध तरीके से संचालित करने की बात कही है। करीब 3500 करोड़ रुपए में इनकी खरीद होगी। वहीं, 300 इलेक्ट्रिक मिनी व मिडी बसें भी खरीदने का प्रस्ताव दिया गया है। इन पर करीब 90 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

तीन चरणों में प्लान होगा पूरा

चरण	(कब से कब)	अनुमानित लागत (करोड़ में)
पहला	(वर्ष 2025 से 2030 तक)	17,710
दूसरा	(वर्ष 2031 से 2040 तक)	15,572
तीसरा	(वर्ष 2041 से 2055 तक)	9,145

10 बस टर्मिनल की योजना

» 10 बस टर्मिनल शहर के बाहरी इलाकों में विकसित किए जाएं। इन पर करीब 500 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

» 4 फ्रेट टर्मिनल की भी बताई है जरूरत, इन पर 80 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

» 30 लाख वर्गमीटर से अधिक नई सड़कें प्रस्तावित हैं। इन पर 87.7 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

95 हजार वर्ग मीटर फुटपाथ

» ड्राफ्ट प्लान में राहगीरों के लिए करीब 95 हजार वर्ग मीटर फुटपाथ बनाए जाने की जरूरत बताई है। इसे बनाने में करीब 20 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके अलावा 1.5 से 2 मीटर चौड़े फुटपाथों का निर्माण भी किया जाएगा।

5 जंक्शन पर फ्लाईओवर

» पीवीसी कर्नल होशियार सिंह मार्ग (क्वींस रोड) स्थित विजय द्वार तिराहे पर 780 मीटर लंबा यह फ्लाईओवर प्रस्तावित किया गया है। इसके अलावा न्यू सांगानेर रोड पर भगत सिंह चौराहे पर, बीलवा रोड पर, टोडी मोड़ और नींदड़मोड़ पर फ्लाईओवर की बात प्लान में कही गई है।

7 में से एक भी एलिवेटेड फिजिबिल नहीं

» ट्रांसपोर्ट नगर से बालाजी मोड़ तक आठ किमी लम्बी एलिवेटेड रोड पर 820 करोड़ रुपए खर्चा बताया है।

» ओटीएस सर्कल से जवाहर जवाहर सर्कल तक एलिवेटेड रोड प्रस्तावित की गई है। इस पर 300 करोड़ रुपए खर्च करने की बात प्लान में कही गई है।

» गुर्जर की थड़ी से त्रिवेणी पुलिया तक एलिवेटेड रोड प्रस्तावित की गई है। मौके पर इसका काम भी शुरू हो गया है।

» खातीपुरा आरओबी से झोटवाड़ाआरओबी तक एलिवेटेड रोड प्रस्तावित की है। हालांकि, इसे जेडीए ने फिजिबल नहीं माना है।

» सांगानेर सर्कल से चौरडिया पेट्रोल पंप तक भी एलिवेटेड रोड का काम अगले माह से शुरू हो जाएगा।

फाटक मुक्त करने की तैयारी

» प्लान के अनुसार बिंदायका, कनकपुरा और शिकारपुरा फाटक को आने वाले कुछ वर्षों में फाटक से मुक्त करना होगा। यहां यातायात का दबाव बढ़ रहा है। वहीं, सीबीआइ फाटक,सालिगरामपुरा फाटक और सिविल लाइंस फाटक पर आरओबी का काम चल रहा हा है।

» इमलीवाला फाटक, जगतपुरा, राजीव गांधी नगर और हसनपुरा फाटक पर अंडरपास की जरूरत बताई गई है।

रक्तदान शिविर में 38 यूनिट रक्त एकत्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जगदीश सेवा संस्थान, जयपुर द्वारा कलर प्री-स्कूल, बोयतावाला परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में कुल 38 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। कार्यक्रम संयोजक सुरेश कुमावत ने बताया कि राजधानी ब्लड सेंटर जयपुर के सहयोग से पूरा आयोजन मेडिकल प्रोटोकॉल और सुरक्षा मानकों के तहत सम्पन्न किया गया। संस्था अध्यक्ष मनोज कुमावत ने बताया कि संस्था समय-समय पर रक्तदान शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करवाती रही है और आगे भी करवाती रहेगी। रक्तदान कार्यक्रम में समाज के अनेक स्वयंसेवी एवं नागरिक मौजूद रहे, जिनमें भागचंद चौधरी, अजय कांत हिंदू, चिराग सिंह सोलंकी, सीताराम सैनी, युधिष्ठिर सैनी, विकास चौधरी, निक्की कुमावत, सरला श्रीवास्तव, भंवर सिंह राठौड़ लाखन सिंह प्रमुख रूप से शामिल हुये। शिविर में रक्तदाताओं को पौष्टिक नाश्ता, ओआरएस, स्वास्थ्य जांच, प्रमाण पत्र व उत्साहवर्धन सामग्री प्रदान की गई। कई युवाओं और महिला प्रतिभागियों ने पहली बार रक्तदान कर प्रेरणादायक संदेश दिया।

ममता जादौन को पीएचडी की उपाधि प्रदान

जयपुर @ जागरूक जनता। एमिटी विश्वविद्यालय, राजस्थान ने शोध छात्रा ममता जादौन को राजनीति विज्ञान विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की है। विश्वविद्यालय की अकादमिक काउंसिल की संस्तुति पर यह उपाधि प्रदान की गई। ममता जादौन ने अपना शोध कार्य "अनुच्छेद 370 का कश्मीरी पंडितों पर प्रभाव: जम्मू जिले के विशेष संदर्भ में (सन 2011 से सन 2021 तक)" विषय पर पूर्ण किया। उनका शोध कार्य डॉ. नेहा भरतिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शोध की औपचारिक पूर्णता वर्ष 2025 में हुई। विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रमाण-पत्र के अनुसार यह उपाधि 13 दिसंबर 2025 को प्रदान की गई

जागरूक खबरें

लोकायुक्त संस्थान के आधिकारिक नये लोगो का अनावरण आज

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में लोकायुक्त संस्थान के नये आधिकारिक 'लोगो' का अनावरण बुधवार को सचिवालय परिसर में आयोजित विशेष समारोह में किया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि यह कार्यक्रम लोकायुक्त कार्यालय की पहचान, पारदर्शिता और जन-सरोकारों को प्रतिबिंबित करने वाली नई दृश्य छवि को जनता के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

अधिवक्ता विश्नोई जयपुर पीठ के उप सॉलिसिटर जनरल नियुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। अधिवक्ता समित बिश्नोई को राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर पीठ का उप सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति तीन वर्षों की अवधि अथवा अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। नियुक्ति आदेश की तिथि से यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू होगा। भारत सरकार का कानून एवं न्याय मंत्रालय द्वारा सोमवार को इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किया गया है।

जिला जयपुर में मकर संक्रांति एवं शीतला अष्टमी का रहेगा स्थानीय अवकाश

जयपुर @ जागरूक जनता। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने एक आदेश जारी कर जयपुर जिले में वर्ष 2026 के लिए मकर संक्रांति 14 जनवरी, 2026 (बुधवार) एवं शीतला अष्टमी 11 मार्च, 2026 (बुधवार) के स्थानीय अवकाश घोषित किये हैं।

एन. के. पब्लिक स्कूल में कक्षा 1 व 2 का 'शक्ति-पावर इन परफोरमेन्स' भव्य आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एन. के. पब्लिक स्कूल, आर्य नगर, मुरलीपुरा में कक्षा 1 एवं 2 के नन्हे विद्यार्थियों द्वारा ''शक्ति-पावर इन परफोरमेन्स'' थीम पर एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों एवं अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया तथा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण भजन "हमारे साथ श्री रघुनाथ" से हुई, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके पश्चात लक्ष्मी स्तुति पर आधारित नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। योगा डांस (फ्रीज़ एंड पोज़) के माध्यम से बच्चों ने शारीरिक व मानसिक संतुलन का सुंदर प्रदर्शन किया। निदेशक कुलदीप सिंह ने कहा कि खेल और सांस्कृतिक गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं तथा इस प्रकार के मंच बच्चों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. एन. सी. लुणायच ने कहा कि आज के बच्चे ही कल का भविष्य हैं और उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ संस्कार, स्वास्थ्य और सृजनात्मकता की शिक्षा देना विद्यालय का प्रमुख उद्देश्य है।

इस अवसर पर विद्यालय के सलाहकार वी. एन. त्रिवेदी, समन्वयक डॉ. नाहिद खान, हेडमिस्ट्रेस माला शर्मा एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या चित्रा राजे बसेरा उपस्थित रहीं।

नए वर्ष का तोहफा, जयपुर से अगले माह चलेंगी 3 स्पेशल ट्रेनें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे ने अगले महीने जयपुर से सीकर, रेवाड़ी और हनुमानगढ़ के बीच स्पेशल ट्रेन संचालन का निर्णय लिया है। एक से 30 जनवरी के मध्य सीकर-जयपुर स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन सीकर से सुबह 7.30 बजे रवाना होकर सुबह 10.20 बजे जयपुर पहुंचेगी। जयपुर-सीकर स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन जयपुर से शाम 7.35 बजे रवाना होकर रात 10.10 बजे सीकर पहुंचेगी।

जयपुर-रेवाड़ी स्पेशल ट्रेन

जयपुर-रेवाड़ी स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन जयपुर से सुबह 9.05 बजे रवाना होकर दोपहर 2 बजे रेवाडी पहुंचेगी। रेवाड़ी-जयपुर स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन रेवाड़ी से दोपहर 3 बजे रवाना होकर शाम 7.55 बजे जयपुर पहुंचेगी।

हनुमानगढ़-जयपुर स्पेशल ट्रेन

ऐसे ही, हनुमानगढ़-जयपुर स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन हनुमानगढ़ से ट्रेन रात 1.25 बजे रवाना होकर सुबह 11.50 बजे जयपुर पहुंचेगी। जयपुर-हनुमानगढ़ स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन जयपुर से दोपहर 1.05 बजे रवाना होकर रात 11.45 बजे हनुमानगढ पहुंचेगी।

भावनगर टर्मिनस-हरिद्वार ट्रेन का संचालन रद्द

» बीकानेर मंडल के चूरू-सादुलपुर ट्रैक के मध्य चूरू-आसलू-दुधवाखारा स्टेशन के मध्य ऑटोमैटिक सिग्नलिंग ब्लॉक कार्य के कारण भावनगर टर्मिनस-हरिद्वार-भावनगर टर्मिनस ट्रेन का संचालन प्रभावित रहेगा।

» रेलवे अधिकारियों के अनुसार भावनगर टर्मिनस-हरिद्वार ट्रेन 19 व 22 जनवरी को, हरिद्वार-भावनगर टर्मिनस ट्रेन का संचालन 21 व 24 जनवरी को प्रारिम्भक स्टेशन से रद्द रहेगा।

रिजिंटा सुइट्स बाई होटल रॉयल ऑर्किड एवं एस.एस.बी.सी ग्रुप के बीच ऐतिहासिक टाई-अप

सहकार मार्ग में "रिजिंटा सुइट्स एंड रेसिडेन्सेस" की जल्द होगी शुरुआत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के तहत होटल रॉयल ऑर्किड ग्रुप एवं एस.एस.बी.सी ग्रुप के बीच आधिकारिक रूप से एम.ओ.यू साइन किया गया जिसके अंतर्गत जयपुर के प्राइम लोकेशन सहकार मार्ग पर रिजिंटा सुइट्स एंड रेसिडेन्सेस की जल्द ही शुरुआत की जाएगी! इस अवसर पर होटल रॉयल ऑर्किड की ओर से अजीत कुमार (वाइस प्रेसिडेंट ऑपरेशंस) एवं मनीष शर्मा (एरिया जनरल मैनेजर बिज़नेस डेवलपमेंट) उपस्थित रहे। वहीं एस.एस.बी.सी ग्रुप की ओर से मदन यादव (मैनेजिंग डायरेक्टर), नीरज नेयोल एवं नवीन भूटानी ने सहभागिता की।

इस अवसर पर दोनों संगठनों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह टाई-अप जयपुर के हॉस्पिटैलिटी और सर्विस्ड रेज़िडेंस सेगमेंट में एक नया मानक स्थापित करेगा। "रिजिंटा सुइट्स बाई होटल रॉयल ऑर्किड" आधुनिक सुविधाओं, अंतरराष्ट्रीय सेवा मानकों और प्रीमियम लोकेशन के साथ बिज़नेस ट्रैवलर्स, लॉन्ग-स्टे गेस्ट्स एवं निवेशकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प सिद्ध होगा जिससे जयपुर को एक और प्रतिष्ठित हॉस्पिटैलिटी डेस्टिनेशन मिलेगा। यह साझेदारी न केवल दोनों ब्रांड्स की मजबूती को दर्शाती है, बल्कि जयपुर शहर के विकास और पर्यटन उद्योग को भी नई ऊँचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगी। वहीं दूसरी और इन्वेस्टर्स के लिए शहर की प्राइम लोकेशन का ये प्रोजेक्ट सेफ इन्वेस्टमेंट का शानदार विकल्प प्रदान करेगा जहाँ वो इन्वेस्ट करके इस पार्टनरशिप का हिस्सा बन रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर गारंटीड रिटर्न्स ले सकेंगे।

अरावली पर्वतमाला

100 मीटर : एक जरूरी लड़ाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नविता
समाजविद्
@jagrukjanta.net

अरावली पर्वतमाला, जो दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है, अब संकट में है। सुप्रीम कोर्ट के नवंबर 2025 के फैसले में 100 मीटर से ऊंची पहाड़ी को ही अरावली का दर्जा दिया हैं, अब प्रकृति को भी परिभाषा में बांध कर उसका हनन करने के औपचारिक तरीके खोजें जा रहे हैं, इस फैसले के बाद लोग अपने अपने तरीकों से इस फैसले का प्रतिरोध व्यक्त कर रहे हैं। Save Aravalli अभियान तेजी से फैल रहा है। इस अभियान का उद्देश्य अरावली की पहाड़ियों को अवैध खनन, अतिक्रमण और पर्यावरणीय नुकसान से बचाना है। बिना किसी महत्वपूर्ण कारण के इस तरह हजारों की संख्या में लोग आक्रोश प्रकट करने सड़कों पर नहीं उतर आते।

अरावली का महत्व

अरावली पर्वतमाला राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली तक फैली हुई है। यह थार रेगिस्तान को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकती है और भूजल रिचार्ज करती है। ये पहाड़ियां प्रदूषण कम करती हैं और दिल्ली-एनसीआर की हवा को साफ रखने में भी सहायता करती हैं । कई वन्य जीवो का आवास हैं अरावली।

यही विडंबना हैं कि नईं खोज में लाखों करोड़ों रुपए खर्च की योजनाएं बन जाती हैं,मगर जो प्राकृतिक रूप से हमारे पास प्रकृति ने दिया हैं उस के संरक्षण को छोड़ विनाश की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

संकट के कारण

अरावली को कई खतरों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें से कुछ प्रमुख कारण हैं-

» **अवैध खननः** अरावली में अवैध खनन के कारण पहाड़ियों का संरचना टूट रहा है और वन क्षेत्र कम हो रहा है। आंकड़ों की मानें तो अरावली पर्वत श्रृंखला से करीब 30 पहाड़िया समतल में परिवर्तित हो गई हैं।

» **अतिक्रमणः** अरावली में अतिर्‍ मण के कारण वन्यजीवों के आवास खतरे में पड़ रहे हैं।

» **पर्यावरणीय नुकसानः** अरावली के पर्यावरणीय नुकसान के कारण तापमान बढ़ रहा है और जल संकट का खतरा बढ़ रहा हैं।

क्या किया जा सकता है?

अरावली को बचाने के लिए हमें कुछ कदम उठाने होंगे-

» **अवैध खनन रोकनाः** अवैध खनन को रोकने के लिए सरकार और नागरिकों को मिलकर काम करना होगा।

» **अतिक्रमण रोकनाः** अतिर्‍ मण को रोकने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने होंगे।

» **पर्यावरणीय संरक्षणः** पर्यावरणीय संरक्षण के लिए हमें पेड़ लगाने और जल संसाधनों का संरक्षण करना होगा।

अरावली को नए तौर से परिभाषित करने के चाहे जितने फायदे गिनवा दिए जाएं फिर भी पर्यावरण के हनन से होने वाला नुकसान उन सभी फायदों से बहुत बड़ा हैं।अरावली बचाओ मिशन एक जरूरी लड़ाई है, जिसमें सभी को मिलकर काम करना होगा। अरावली की पहाड़ियों को बचाने के लिए एकजुट होना होगा और पर्यावरणीय संरक्षण के लिए काम करना होगा। अभी हम पहाड़ों का संरक्षण करने में असमर्थ रहे तो भविष्य में करोड़ों कृत्रिम पहाड़ी बनाने में खर्च करने होंगे। फैसला हम सभी का हैं फायदा या नुकसान हमारी आने वाली पीढ़ियों का हैं। हमारे पूर्वजों ने हमें यह पर्यावरण विरासत के रूप में सौंपा हैं मगर क्या हम एक अच्छे अभीक्षक की तरह अपनी जिम्मेदारी पूरी कर के अगली पीढ़ी को उसी तरह का पर्यावरण, हवा पानी दे पाएंगे जो हमे विरासत में मिला हैं?

जेडीए 80 लाख से करेगा सौंदर्यीकरण

पिंकसिटी के पहले सिग्नल फ्री चौराहे पर दिखेंगे मोर-कठपुतली

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर के पहले सिग्नल फ्री चौराहे बी टू बाइपास के सौंदर्यीकरण का काम जेडीए ने शुरू कर दिया है। अंडरपास में जब आप मानसरोवर की ओर से प्रवेश करेंगे तो कठपुतली (एक पुरुष और एक महिला) नजर आएंगी। वहीं, जवाहर सर्कल से मानसरोवर की ओर जाने पर अंडरपास के ठीक ऊपर करीब 15 फीट ऊंचा मोर दिखाई देगा। इन कलाकृतियों पर जेडीए लगभग 80 लाख रुपए खर्च कर रहा है। जिम्मेदार अधिकारियों का कहना है कि मार्च तक यह काम पूरा कर लिया जाएगा।

स्मारक द्वार का प्लान हुआ था रद्द

दरअसल, जब इस चौराहे को ट्रैफिक फ्री बनाने का काम शुरू हुआ था, तब दोनों ओर स्मारक द्वार बनाने की योजना थी। लेकिन राज्य में सरकार बदलने के बाद मौजूदा भाजपा सरकार ने इसे फिजूलखर्ची बताते हुए प्रोजेक्ट को रोक दिया। तब इस प्रोजेक्ट पर 20 करोड़ रुपए खर्च हो रहे थे।

वेस्ट मैटेरियल से बन रहीं कलाकृतियां

जेडीए अधिकारियों के अनुसार ये कलाकृतियां वेस्ट मैटेरियल से तैयार की जा रही हैं। बेकार पड़े सरिये और लोहे का उपयोग किया जा रहा है, जबकि ऊपरी सजावट के लिए ब्लू पॉटरी का इस्तेमाल होगा। अंडरपास की छत पर पहले से बने लोहे के फ्रेम का ही उपयोग कर इन कलाकृतियों को आकार दिया जा रहा है।

अरावली : राजपूती ढाल, मुगलों का महाकाल

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

प्रदेश के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी अरावली सुर्खियों में है। भारत के पश्चिमी भाग में स्थित पर्वतमाला को आडावाला पर्वत के नाम से भी जाना जाता है, भारत की भौगोलिक संरचना में अरावली प्राचीनतम पर्वत श्रेणी है, जो गोडवाना लेंड का अस्तित्व है। यह संसार की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है जो प्रदेश को उत्तर से दक्षिण दो भागों में बाँटती है। इतिहास की दृष्टि से भी देखें तो अरावली राजपूतों की मौन प्रहरी रही है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के उस प्रस्ताव को माना है जिसमें कहा गया है कि वे पर्वत जो 100 मीटर से ऊपर हैं, उन्हें ही अरावली पर्वत का हिस्सा माना जाएगा। पर्वतमाला के आसपास बसे शहरों के लोग इसे पर्यावरण के लिहाज से खतरनाक मान रहे हैं। हालांकि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव का साफ कहना है कि अरावली में माइनिंग पर सख्ती बरकरार है, 90 फीसदी से ज्यादा क्षेत्र अब पूरी तरह संरक्षित हैं। भारत के इतिहास से पहले से 'अरावली पर्वतमाला' का स्वर्णिम इतिहास रहा है। मध्यकालीन इतिहास इस बात की गवाही देता है कि अरावली के दुर्गम पहाड़ों ने महाराणा प्रताप जैसे योद्धाओं को मुगलों के खिलाफ छापामार युद्ध के लिए कैसे सुरक्षित स्थान दिया। कुंभलगढ़ और चित्तौड़गढ़ जैसे प्रसिद्ध किले भी इसी श्रृंखला का हिस्सा हैं। राजपूतों की सच्ची रक्षक अरावली की पहाड़ियां आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। भारत की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला 'अरावली' करोड़ों साल पुरानी है। यह पर्वत श्रृंखला तब बनी थी जब आज के भारत का नामोनिशान नहीं था, बल्कि महाद्वीप आपस में जुड़ रहे थे और जीवन की शुरुआत हो रही थी। 250 करोड़ साल पुरानी इन पहाड़ियों की ऊंचाई कम करने की बातें हो रही हैं, जिसे दुनिया से छोटी ऊंचाई वाले जीवों को खत्म करने की बात कहने जैसा मानते हैं। भारत की धरती पर फैली अरावली पर्वत श्रृंखला सिर्फ एक भौगोलिक अजूबा नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली तक फैली यह श्रृंखला करीब 670 किलोमीटर लंबी है और इसका इतिहास पृथ्वी के बहुत पुराने समय से जुड़ा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, अरावली का निर्माण प्रोटेरोजोइक युग में हुआ था, जो लगभग 250 से 350 करोड़ साल पहले शुरू हुआ था। यह श्रृंखला न केवल भारत की जलवायु और पर्यावरण को प्रभावित करती है, बल्कि थार रेगिस्तान को फैलने से रोकने में भी अहम भूमिका निभाती है। अरावली पर्वत श्रृंखला उत्तर-पश्चिमी भारत में स्थित है। यह दक्षिण-पश्चिम दिशा में गुजरात के पालनपुर से शुरू होकर दिल्ली तक फैली हुई है। इसकी औसत ऊंचाई 300 से 900 मीटर के बीच है। इसकी सबसे ऊंची चोटी गुरु शिखर है, जो 1,722 मीटर ऊंची है और राजस्थान के इकलौते हिल स्टेशन माउंट आबू में स्थित है।

shivdayalmishra@gmail.com

राज्य सरकार के दो वर्ष के उपलक्ष्य में नागौर में राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन

हमारी सरकार मजदूर, किसान, महिला और युवा के उत्थान के लिए संकल्पित-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सशक्त, विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हो रहा है। उनके नेतृत्व में हमारी सरकार कृषि को लाभकारी बनाने के लिए कार्य कर रही है। हमारी मंशा है कि किसानों का फसल उत्पादन बढ़े तथा उनकी लागत में कमी आए। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत बनाने के संकल्प में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, जिससे विकसित भारत-विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार किया जा सके। चौहान मंगलवार को राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मेड़ता में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में गत दो वर्षों में राजस्थान में विकास का नया अध्याय रचा गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत राज्य के किसानों को दी जाने वाली राशि में बढ़ोतरी कर 9 हजार रुपये किया है।

तेज धूप, ठंड, बारिश में भी किसानों का काम कभी नहीं रुकता-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान हमारे राष्ट्र के असली निर्माता हैं। जब पूरा देश सोता है तब अन्नदाता अपने खेतों में जागते हैं। चिलचिलाती धूप हो या कड़कड़ाती ठंड, बारिश हो या आंधी तूफान, किसानों का काम कभी नहीं रुकता। उन्होंने कहा कि वे स्वयं एक किसान रहे हैं इसलिए वे खेती में आ रही समस्याओं को भली-भांति समझते हैं। हमारी सरकार किसानों को आगे बढ़ाने एवं उनके सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह एवं अटल बिहारी वाजपेयी ने किसानों के सम्मान एवं सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य किए हैं। स्व. वाजपेयी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क जैसी योजना से देश में लाखों किलोमीटर सड़कों का निर्माण कर गांवों को सड़कों से जोड़ने का ऐतिहासिक काम किया है।

राज्य के विकास के लिए रोडमैप बनाकर किया कार्य

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के विकास के लिए रोडमैप बनाकर कार्य कर रही है। पानी की प्राथमिकता को समझते हुए हमने रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, गंगनहर की मरम्मत जैसे अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। साथ ही, कुसुम-ए एवं कुसुम-सी में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में है। उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय युवाओं के साथ धोखा हुआ तथा पेपरलीक जैसे प्रकरण हुए। हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है। अब तक 92 हजार नियुक्तियां दी जा चुकी हैं, शीघ्र ही 20 हजार नियुक्तियां दी जाएंगी तथा 1 लाख 53 हजार नियुक्तियां प्रि याधीन हैं। हमारी सरकार युवाओं को पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियां देगी। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। हम चाहते हैं कि युवा रोजगार प्रदाता भी बने तथा हम शीघ्र ही युवा पॉलिसी भी लाने जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश-प्रदेश में किसान बढ़ रहा आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश-प्रदेश में हमारा किसान आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा किसान हितैषी निर्णयों से उनका सशक्तीकरण हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार गरीब, युवा, किसान और महिला समेत प्रदेश के हर वर्ग के कल्याण और उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने नागौर जिले में विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग 2 हजार 900 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की है तथा 2 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि के विकास कार्य भी करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले में लखपति दीदी, वृद्धजन पेंशन योजना जैसी अनेक योजनाओं से जिले को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है तथा इसमें किसी भी तरह की छेड़खानी नहीं होने दी जाएगी। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार निरंतर किसान हितैषी निर्णय ले रही है। राज्य सरकार ने किसान सम्मान निधि की राशि में बढ़ोतरी, 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली जैसे अनेक किसान हित में निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि नकली खाद, नकली बीज और नकली पेस्टीसाइड्स बनाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड़, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

श्याम धनी इंडस्ट्रीज का आईपीओ खुलने के दूसरे दिन 241.02 गुना हुआ सब्सक्राइब

कंपनी एसएमई आईपीओ से जुटाएगी 38.49 करोड़ रुपए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मसाला इंडस्ट्री से जुड़ी उभरती कंपनी 'श्याम धानी इंडस्ट्रीज लिमिटेड' के आईपीओ ने शेयर बाजार में तहलका मचाया हुआ है। बोली लगाने के दूसरे दिन ही इस NSE SME इश्यू को लेकर निवेशकों में जबरदस्त होड़ देखी जा रही है। आईपीओ खुलने के दूसरे दिन 241.02 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। निवेशकों के इस भारी उत्साह का असर इसके GMP पर भी देखने को मिल रहा है। कंपनी (श्याम मसाले) का 38.49 करोड़ रुपए का एसएमई आईपीओ एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर 22 दिसंबर को ओपन हो गया है, जो 24 दिसंबर 2025 को बंद होगा।

श्याम धनी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन रामावतार अग्रवाल, डायरेक्टर ममता देवी अग्रवाल और विठ्ठल अग्रवाल के अनुसार उनकी कंपनी एक आईएसओ सर्टिफाइड कंपनी है, जो 'श्याम' एवं 'मोर्विक' ब्रांड के अंतर्गत करीब 164 तरह के रेगुलर व प्रीमियम क्वालिटी के मसालों की मैन्युफैक्चरिंग व बिक्री का कार्य प्रमुखता से करती है। कंपनी करीब 8 से अधिक देशों में मसालों का एक्सपोर्ट भी करती है। इसके अलावा कंपनी श्याम ब्रांड के अंतर्गत काला नमक, सेंधा नमक, चावल, पोहा, कसूरी मेथी और सीजनिंग मिक्स जैसे उत्पाद भी बेचती है। इसके अलावा कंपनी काला नमक, सेंधा नमक, चावल, पोहा, कसूरी मेथी और अलग-अलग तरह के सीजनिंग मिक्स जैसे प्रोडक्ट्स का भी कारोबार करती है।

रामावतार अग्रवाल चेयरमैन | ममता देवी अग्रवाल डायरेक्टर | विठ्ठल अग्रवाल डायरेक्टर

SHYAM® KITCHEN MASALE

कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट जयपुर में स्थित है और इसके प्रोडक्ट जनरल ट्रेड, मॉडर्न रिटेल, क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म, HOReCa, चैनल्स, (होटल, रेस्टोरेंट व कैटरिंग) और एक्सपोर्ट के जरिए बेचे जाते हैं। यह आईपीओ 38.49 करोड़ रुपये का है। यह 54.98 लाख इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू है। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 65 से 70 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 107.64 करोड़ रुपए की रेवेन्यू पर 6.30 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट अर्जित किया था, जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 में कंपनी ने 124.75 करोड़ रुपए की रेवेन्यू पर 8.04 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट रिपोर्ट किया था। वहीं अप्रैल-सितंबर 2025 तक कंपनी ने 63.83 करोड़ रुपए की रेवेन्यू के साथ 4.20 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। कंपनी का शेयर 30 दिसंबर 2025 को एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होना संभावित है। कंपनी आईपीओ से मिले पैसों का इस्तेमाल मुख्य रूप से कैपिटल एक्सपेंडिचर के लिए किया जाएगा। इसमें नई मशीनरी खरीदना, सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाना, मौजूदा कर्ज का कुछ हिस्सा चुकाना और वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करना शामिल है।

दूसरे दिन 241.02 गुना हो गया सब्सक्राइब

श्याम धनी इंडस्ट्रीज का एसएमई आईपीओ 22 दिसंबर को खुलते ही निवेशकों के बीच छा गया। एसएमई सेगमेंट का यह आईपीओ खुलने के कुछ ही मिनटों में फुल सब्सक्राइब हो गया। मंगलवार शाम तक एसएमई आईपीओ को करीब कुल 241.02 गुना का सब्सक्रिप्शन मिल चुका था, जिसमें रिटेल हिस्सा 89.56 गुना और एचएनआई के लिए आरक्षित सेगमेंट 76.94 गुना सब्सक्राइब हो गया।

जुटाई रकम का कहां होगा इस्तेमाल?

कंपनी आईपीओ से मिलने वाली राशि का उपयोग राजस्थान में अपनी मौजूदा निर्माण इकाई में नई मशीनरी लगाने, पुराने कर्ज को चुकाने और अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी।

खाटूश्यामजी में 29 दिसंबर से सजेगा श्याम दरबार

जयपुर @ जागरूक जनता। खाटूश्यामजी में बाबा श्याम के आने वाले दो दिन के महीने के मेले की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं. एकादशी, द्वादशी और नए साल पर लगने वाले इस मेले में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद को देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है. यह मेला 29 दिसंबर से 2 जनवरी तक चलेगा। मेले में संभावित भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक सिस्टम को सुचारू रखने के लिए पुलिस थाना परिसर में बस ऑपरेटरों की मीटिंग हुई. जिसमें DySP राव आनंद कुमार और RTO राजीव ने सीकर, जयपुर, सालासर, दांता और रेनवाल रूट पर चलने वाली बसों के ऑपरेटरों को तय रूट चार्ट, ट्रैफिक सिस्टम और पार्किंग नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सम्पादकीय

जॉर्डन से ओमान तक, संबंध मजबूत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की यात्रा पश्चिम एशिया और अफ्रीका के साथ भारत के ऐतिहासिक व्यापारिक और सुरक्षा संबंधों को और मजबूती देने की दिशा में एक छोटा मगर महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री की यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका के कदमों से उत्पन्न भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं इस क्षेत्र और वैश्विक व्यापार दोनों के लिए चिंता का सबब हैं। इन तीन देशों की यात्रा का जितना महत्व ऊपरी तौर पर दिख रहा है (जैसे इथियोपिया के प्रधानमंत्री और जॉर्डन के युवराज द्वारा प्रधानमंत्री के प्रति व्यक्त सम्मान) उतना ही उन समझौतों का भी है जिन पर हस्ताक्षर हुए। इनमें ओमान और भारत के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) एक महत्वपूर्ण कदम है। यह समझौता ऐसे मौके पर हुआ है जब दोनों देश राजनयिक संबंध स्थापित होने के 70 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।

यह व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) भारत और किसी पश्चिम एशियाई देश के बीच हुआ दूसरा एफटीए है। पहला वर्ष 2022 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ हुआ था। मगर ओमान के साथ यह सीईपीए वहां के बाजार में भारत को लगभग पूर्ण रूप से शुल्क-मुक्त पहुंच देता है और इसका दायरा एफटीए से कहीं अधिक है क्योंकि तत्काल 97.96 फीसदी शुल्क समाप्त हो जाएंगे। इस बीच, भारत ने भी मूल्य के लिहाज से ओमान से लगभग 95 फीसदी आयात उदार बनाकर अपनी तरफ से भी सकारात्मक पहल की है। हालांकि, ओमान इस क्षेत्र में भारत के सबसे बड़े व्यापार साझेदारों में से एक नहीं है (यूएई के 100 अरब डॉलर और सऊदी अरब के 42 अरब की तुलना में कम है) मगर सीईपीए आर्थिक जुड़ाव और विस्तार के लिए बड़ी क्षमता की गुंजाइश तैयार करता है। प्रमुख सेवा क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों द्वारा 100 फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रावधान पश्चिम एशिया और अफ्रीका के सेवा क्षेत्र में भारत की पारंपरिक उपस्थिति को और धार देगा। भारतीय पेशेवरों के आने-जाने के लिए एक उदार गतिशीलता ढांचा भी अहम है। ओमान ने भारत से कच्चे संगमरमर के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने पर भी सहमति जताई है।

भारत के लिहाज से यह भी एक अहम प्रगति है क्योंकि इससे उसे तुर्किये पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। भारत इसे भी एक अहम भू-रणनीतिक लाभ के रूप में देख सकता है। तुर्किये द्वारा पाकिस्तान को समर्थन और जम्मू-कश्मीर पर भारतीय नीति की आलोचना के बाद भारत के साथ उसके संबंध खराब हो गए हैं। प्रधानमंत्री अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में जॉर्डन पहुंचे जो प्रधानमंत्री की पहली पूर्ण द्विपक्षीय यात्रा थी। जॉर्डन के साथ कई सहयोग समझौते हुए जिनसे आपसी आर्थिक हितों में निहित पुरानी मित्रता को मजबूती मिली है। भारत, जॉर्डन का तीसरा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है और लंबे समय से उर्वरक आपूर्तिकर्ता के रूप में एक अहम भूमिका निभाता रहा है। इथियोपिया में पारस्परिक रूप से मजबूत द्विपक्षीय संबंधों के जरिये रणनीतिक लिहाज से अहम समझे जाने वाले अफ्रीका के इस देश में निवेश बढ़ाने के अवसर पर जोर दिया गया। इथियोपिया में लगभग 675 भारतीय कंपनियां पंजीकृत हैं और उन्होंने मुख्य रूप से कपड़ा और दवा क्षेत्रों में 6.5 अरब डॉलर का निवेश किया है। मगर चीन की तुलना में भारत काफी पीछे चल रहा है। भारत, इथियोपिया में एफडीआई का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत है। मगर चीन और तुर्किये के इथियोपिया के साथ कहीं अधिक व्यापक व्यापार, सुरक्षा और सैन्य संबंध हैं। इसे देखते हुए भारत को सहयोग के दायरे और इसकी गहराई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

साइबर अपराध आधुनिक युग की एक जटिल और बहुआयामी चुनौती है। इसका समाधान जागरूकता, शिक्षा, नैतिकता और सामूहिक जिम्मेदारी से संभव है। यदि हम डिजिटल सुविधाओं का उपयोग सावधानी और समझदारी से करें, तो साइबर अपराध के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

साइबर अपराध : नई चुनौती

राम शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

> डिजिटल साक्षरता आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। स्कूलों और कॉलेजों में साइबर सुरक्षा से जुड़े विषयों को पाठ्यर म का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बुजुर्गों और ग्रामीण नागरिकों के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भी जागरूकता फैलाने में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डिजिटल युग ने मानव जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, उतनी ही जटिल चुनौतियाँ भी सामने रख दी हैं। इंटरनेट, स्मार्टफोन, ऑनलाइन बैंकिंग, सोशल मीडिया और डिजिटल भुगतान ने दुनिया को एक क्लिक पर समेट दिया है। परंतु इसी डिजिटल विस्तार के साथ एक गंभीर समस्या भी तेज़ी से बढ़ी है–साइबर अपराध। आज साइबर अपराध केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी एक बड़ी चुनौती बन चुका है।

साइबर अपराध से आशय ऐसे अपराधों से है जो कंप्यूटर, इंटरनेट या डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से किए जाते हैं। इसमें ऑनलाइन धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट, हैकिंग, डेटा चोरी, फिशिंग, पहचान की चोरी, साइबर बुलिंग, रैनसमवेयर अटैक, ऑनलाइन ठगी, फेक प्रोफाइल, और डिजिटल ब्लैकमेलिंग जैसे अपराध शामिल हैं। जैसे-जैसे डिजिटल निर्भरता बढ़ रही है, वैसे-वैसे साइबर अपराधियों के तरीके भी अधिक परिष्कृत और खतरनाक होते जा रहे हैं।

भारत जैसे विकासशील देश में डिजिटल क्रांति ने आम नागरिक को सीधे तकनीक से जोड़ा है। 'डिजिटल इंडिया' अभियान के तहत सरकारी सेवाएँ, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार तेजी से ऑनलाइन हो रहे हैं। लेकिन डिजिटल साक्षरता की कमी, तकनीकी जागरूकता का अभाव और साइबर सुरक्षा को लेकर लापरवाही, साइबर अपराध को बढ़ावा दे रही है। ग्रामीण क्षेत्रों और बुजुर्गों को अक्सर साइबर ठग आसानी से अपना शिकार बना लेते हैं।

ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी साइबर अपराध का सबसे बड़ा और आम स्वरूप बन चुका है। फर्जी कॉल, ओटीपी मांगना, नकली लिंक भेजना, केवाईसी अपडेट के नाम पर ठगी, और नकली बैंक ऐप के ज़रिए लाखों-करोड़ों की ठगी की घटनाएँ रोज़ सामने आ रही हैं। सोशल मीडिया पर भी फेक प्रोफाइल बनाकर लोगों से पैसे ऐंठना, भावनात्मक शोषण करना और निजी जानकारी हासिल करना आम बात हो गई है।

साइबर अपराध का असर केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं है। यह मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक स्तर पर भी गहरा प्रभाव डालता है। साइबर बुलिंग और ऑनलाइन ट्रोलिंग के कारण कई युवा अवसाद में चले जाते हैं। महिलाओं और किशोरियों के लिए साइबर स्टॉकिंग, मॉर्फिंग और ऑनलाइन उत्पीड़न गंभीर समस्या बन चुकी है। कई मामलों में पीड़ित डर, शर्म या सामाजिक बदनामी के कारण शिकायत तक दर्ज नहीं कराते।

राष्ट्रीय स्तर पर साइबर अपराध एक नई सुरक्षा चुनौती के रूप में उभरा है। सरकारी वेबसाइटों पर साइबर हमले, डाटा लीक, संवेदनशील सूचनाओं की चोरी और डिजिटल जासूसी से देश की सुरक्षा पर सीधा खतरा पैदा होता है। बैंकिंग सिस्टम, बिजली ग्रिड, रेलवे और संचार नेटवर्क जैसे महत्वपूर्ण ढाँचों पर साइबर अटैक किसी भी देश को पंगु बना सकते हैं। इसलिए आज साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।

सरकार ने साइबर अपराध से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। आईटी एक्ट, 2000 में समय-समय पर संशोधन किए गए हैं। साइबर क्राइम पोर्टल, हेल्पलाइन नंबर और विशेष साइबर पुलिस थानों की स्थापना की गई है। इसके अलावा साइबर फॉरेंसिक लैब, तकनीकी प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर भी जोर दिया जा रहा है। बावजूद इसके, अपराधों की संख्या में लगातार वृद्धि चिंता का विषय है।

इसका एक बड़ा कारण यह है कि तकनीक जितनी तेज़ी से बदल रही है, कानून और प्रशासन उतनी तेजी से खुद को अपडेट नहीं कर पा रहे हैं। साइबर अपराध सीमाओं से परे होते हैं, जबकि कानून और जांच प्रणाली अक्सर स्थानीय दायरे में बंधी होती है। इसके अलावा मामलों की जांच में समय लगता है, जिससे अपराधियों का मनोबल बढ़ता है।

साइबर अपराध से निपटने में समाज की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। केवल सरकार या पुलिस के भरोसे इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। नागरिकों को स्वयं सतर्क, जागरूक और जिम्मेदार बनना होगा। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करना, ओटीपी या पासवर्ड साझा न करना, मजबूत पासवर्ड का उपयोग, नियमित रूप से सॉफ्टवेयर अपडेट करना और संदिग्ध गतिविधि की तुरंत रिपोर्ट करना–ये छोटे कदम बड़े नुकसान से बचा सकते हैं।

डिजिटल साक्षरता आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। स्कूलों और कॉलेजों में साइबर सुरक्षा से जुड़े विषयों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बुजुर्गों और ग्रामीण नागरिकों के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भी जागरूकता फैलाने में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

अंततः यह कहा जा सकता है कि साइबर अपराध आधुनिक युग की एक जटिल और बहुआयामी चुनौती है। इसका समाधान केवल तकनीक या कानून से नहीं, बल्कि जागरूकता, शिक्षा, नैतिकता और सामूहिक जिम्मेदारी से संभव है। यदि हम डिजिटल सुविधाओं का उपयोग सावधानी और समझदारी से करें, तो साइबर अपराध के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। डिजिटल भविष्य सुरक्षित तभी होगा, जब हर नागरिक साइबर सुरक्षा को अपनी जिम्मेदारी समझे।

एडवांस कृष्णमूर्ति पद्धति की सब मून कनेक्शन थ्योरी द्वारा जन्म समय का सुधार

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

इंजी. कुलदीप शर्मा
वैदिक ज्योतिषि
@jagrukjanta.net

आज की तेज़ रफ़्तार और अप्रत्याशित ज़िंदगी में एक व्यक्ति पूरी तरह से दुविधा में है कि क्या करें और क्या न करें, और किसी ज्योतिषी से अपनी कुंडली दिखाकर सटीक भविष्यवाणी जानना एक चुनौती बन गया है। मेरे विचार से और मेरे गुरु प्रो. किशोर कुमार (BTR विशेषज्ञ) पुणे की मदद से, किसी व्यक्ति की जन्म कुंडली से भविष्यवाणी करने से पहले हमें जन्म समय की जाँच करनी चाहिए। एडवांस कृष्णमूर्ति पद्धति में सब मून कनेक्शन थ्योरी से व्यक्ति का जन्म समय सेकंड में भी सटीक और सही तरीके से पता लगाया जा सकता है, जो सटीक भविष्यवाणी के लिए भी उपयोगी है। जहाँ तक एडवांस कृष्णमूर्ति पद्धति (4 स्टेप थ्योरी) की बात है, हम संबंधित भाव के राशि स्वामी, नक्षत्र स्वामी और उसके उप स्वामी की बात करते हैं, हालाँकि यह वैदिक ज्योतिष का एक हिस्सा है, लेकिन यह समयबद्ध और सटीक भविष्यवाणी देता है। किसी भी भाव का उप स्वामी (स्वयं, राशि स्वामी या नक्षत्र स्वामी) संबंधित व्यक्ति के (चंद्रमा स्वयं, राशि स्वामी या नक्षत्र स्वामी) से मेल खाना चाहिए। इस थ्योरी में, (संबंधित व्यक्ति के चंद्रमा के राशि स्वामी या नक्षत्र स्वामी को जानने के लिए हमें कम से कम उनकी जन्म तिथि, स्थान पता होना चाहिए)

सटीक जानकारी संभव

सटीक जन्म समय का पता लगाकर हम किसी व्यक्ति के संबंधित भाव के लिए उसके उप स्वामी और उसके राशि स्वामी, नक्षत्र स्वामी को देखकर सटीक भविष्यवाणी कर सकते हैं और उसी के अनुसार व्यक्ति की कुंडली के बारे में बता सकते हैं।

सब - मून कनेक्शन थ्योरी (SMC थ्योरी) के नियम

1. लग्न का उप स्वामी जातक/जातिका के लिए चंद्रमा स्वयं या उसके राशि स्वामी या नक्षत्र स्वामी से मेल खाना चाहिए।
2. छोटे भाई-बहनों से मिलान के लिए, तीसरे भाव के उप स्वामी को देखा जाता है।
3. बड़े भाई-बहनों से मिलान के लिए 11वें भाव के उप स्वामी को देखा जाता है।
4. पुरुष कुंडली में संतान के लिए, पहली संतान के लिए 11वें भाव के उप स्वामी और दूसरी संतान के लिए पहले भाव के उप स्वामी और इसी तरह आगे देखा जाता है।
5. महिला कुंडली में, पहली संतान के लिए 5वें भाव के उप स्वामी और दूसरी संतान के लिए 7वें भाव के उप स्वामी और इसी तरह आगे देखा जाता है।
6. जीवनसाथी से मिलान के लिए, 7वें भाव के उप स्वामी को जीवनसाथी के चंद्रमा स्वयं या राशि स्वामी या नक्षत्र स्वामी से देखा जाता है। चंद्रमा उप स्वामी के साथ संबंध नीचे बताया गया है।

A. पहला कस्पल उप स्वामी चंद्रमा स्वयं हो सकता है।
B. कस्पल उप स्वामी चंद्रमा के नक्षत्र (रोहिणी, हस्त और श्रवण) में हो सकता है।
C. चंद्रमा स्वयं, चंद्रमा राशि स्वामी या चंद्रमा नक्षत्र स्वामी और उप स्वामी स्वयं या उसका राशि स्वामी या उसका नक्षत्र स्वामी समान हो सकते हैं।
D. कस्पल उप स्वामी (स्वयं, राशि स्वामी या नक्षत्र स्वामी) चंद्रमा (स्वयं, राशि स्वामी या नक्षत्र स्वामी) के साथ युति या दृष्टि में हो सकता है।

आखर आखर झरे उजियार

क्या भगवान भी कभी मर सकता है

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

ईश्वर है, वो सदा सर्वदा सर्वत्र वायु की तरह मौजूद है। पर, वो प्रत्यक्ष दिखलाई नहीं देता, लेकिन उसका अस्तित्व सर्वव्यापी है। स्वामी विवेकानन्द कहा करते थे, ईश्वर सब जगह समान रूप से विद्यमान है। जड़ में वो सोया हुआ है तो सजीव प्राणियों में वो जागा हुआ है।

अश्वेत अधिकारों की बहाली में जिस व्यक्ति का आह्वान मील का पत्थर साबित हुआ, उस महान क्रांतिकारी विचारक मार्टिन लूथर का नाम दुनिया में बड़े आदर से लिया जाता है। उस शख्स के स्वप्न और संकल्प रंगभेद नीति के विरूद्ध समर्पित रहे। महात्मा गांधी के विचारों की भांति वो सत्य, अहिंसा और प्रेम के बलबूते पर लाखों लाख नीग्रो को गुलामी से मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध थे। उन्होंने अहिंसक प्रतिरोध का रास्ता अपनाया।

एक बार मार्टिन लूथर मुश्किलों में फंस गए। यद्यपि वो प्रबल संकल्प के धनी थे,फिर भी एक दिन बड़े हताश होकर घर के कोने में बैठे थे। उनकी धर्म पत्नी से ये देखा नहीं गया। वो बड़ी समझदार आस्तिक महिला थी।पति की निराशाजनक हालत देखते हुए उसने एक उपाय किया। काले वस्त्र पहन कर वो अपने पति महाशय के समक्ष खड़ी हो गई।

मार्टिन लूथर पत्नी का ये रूप देख कर चकित हो गए। उन्होंने पत्नी से पूछा, प्रिये, क्या हुआ? ये काले कपड़े क्यों पहने हुए हो?

पत्नी ने शांत भाव से उत्तर दिया, क्या आपको पता नहीं... वो मर गया।

मार्टिन ने पूछा, कौन मर गया ?

पत्नी का जबाव था, ईश्वर मर गया !

मार्टिन लूथर ने ज्यों ही सुना, वो हँस पड़े। अचंभित होकर कहने लगे, क्या भगवान भी कभी मर सकता है?

ये सुनना था कि पत्नी ने तुरन्त कहा, भगवान कभी नहीं मरता,कभी मर भी नहीं सकता तो फिर आप इतने निराश क्यों हो? आप शोक संतप्त-से क्यों हो रहे हो?

ये शब्द सुन कर मार्टिन लूथर फिर से उमंग और उत्साह के साथ अपने कार्य में संलग्न हो गए।

(ये लेखक के अपने विचार है)

ओपिनियन

लैंगिक भेदभाव की खाई को बढ़ाते कौमार्य परीक्षण

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. मोनिका शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

हाल ही में राजस्थान में महिलाओं की वर्जिनिटी टेस्ट के कुछ मामले सामने आए हैं, जिसके बाद एक बार फिर इस विषय पर बहस छिड़ गई है। यह ऐसा विषय है, जिस पर आमतौर पर बात करने से तो हम बचते हैं, लेकिन कुप्रथाओं में यही टेस्ट चादर में धब्बे नहीं लगने पर समाज में महिलाओं के लिए बड़ा कलंक साबित हो रहे हैं। वर्जिनिटी मसला यूं तो स्त्री और पुरुष दोनों से जुड़ा है, लेकिन 21वीं सदी जैसे आधुनिक युग में भी इसे अधिकांश महिलाओं की ही पवित्रता जांच यानी इस टेस्ट से तोला जाता रहा है। वर्जिनिटी टेस्ट की इस परंपरा को राजस्थान में कुकड़ी प्रथा के नाम से जानते हैं।

एक समाज विशेष की प्रथा के चलते वर्जिनिटी टेस्ट में फेल होने पर एक युवती को ना सिर्फ प्रताड़ित किया गया, बल्कि दस लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। इस मामले में वर्जिनिटी टेस्ट के लिए चली आ रही प्रथा के नाम पर युवती और उसके परिवार को ये प्रताड़ना झेलनी पड़ी। यह मामला ऐसी प्रथाओं को शर्मसार करने वाला है, जिन्हें आज भी कई समाज अपनी रीति एवं रिवाजों का नाम देकर महिलाओं पर थोप रहे हैं और लैंगिक भेदभाव की खाई को और गहरा करने का काम कर रहे हैं।

> **असल में यह वर्जिनिटी टेस्ट पूरी तरह से अवैज्ञानिक हैं और महिलाओं के शोषण का एक माध्यम बन गए हैं। आधुनिक समाज, शिक्षित लोग और महिला संगठन इस प्रथा का कड़ा विरोध कर रहे हैं और इसके उन्मूलन की मांग कर रहे हैं।**

कुछ समय पहले भीलवाड़ा के बागौर गांव की 24 वर्षीय युवती की शादी उसी गांव में हुई। शादी के बाद सांसी समाज ने कुकड़ी प्रथा के तहत नई दुल्हन का वर्जिनिटी टेस्ट लिया। टेस्ट में दी गई सूत की गेंद, जिसे कुकड़ी कहा जाता है, में सुहागरात के दिन बिछाई चादर पर अगले दिन खून के धब्बे नहीं मिलने पर विवाहित युवती को टेस्ट में फेल बता मारपीट कर प्रताड़ित किया गया। टेस्ट में फेल होने का कारण पूर्व में एक युवक की ओर से युवती के साथ दुष्कर्म करना बताया गया।

स्थानीय पंचायत में सांसी समाज की पंचायत बुलाई गई और वधू पक्ष पर दस लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके बाद मामला पुलिस तक जा पहुंचा। कुकड़ी प्रथा राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों में रहने वाली सांसी जनजाति में प्रचलित एक विवादास्पद और दमनकारी सामाजिक कुप्रथा है, जिसमें शादी के बाद दुल्हन के कौमार्य की परीक्षा ली जाती है। इस प्रथा के तहत सुहागरात (शादी की पहली रात) पर एक सफेद कपड़ा या धागा (जिसे कुकड़ी कहा जाता है) कमरे में रखा जाता है। सुबह समुदाय के बड़े-बुजुर्ग या पंचायत उस कपड़े की जांच करते हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि संभोग के दौरान रक्तस्राव (यानी कौमार्य का प्रमाण) हुआ है या नहीं। यदि महिला इसमें विफल हो जाती है, तो उसे चरित्रहीन मानकर ससुराल वाले छोड़ सकते हैं। कभी-कभी उसके परिवार पर भारी जुर्माना भी लगाया जाता है।

असल में वर्जिनिटी टेस्ट एक अवैज्ञानिक और क्रूर तरीका है, जिसे सुप्रीम कोर्ट और कई अदालतों ने असंवैधानिक, पितृसत्तात्मक और मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया है, क्योंकि यह महिला की गरिमा और निजता का हनन करता है। आधुनिक विज्ञान और कानून भी इसे अस्वीकार करते हैं और पुरानी, अतार्किक प्रथा मानते हैं। कौमार्य भंग होने के कई कारण हो सकते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह एक सामाजिक अवधारणा है, चिकित्सा स्थिति नहीं है। इसका कोई एक निश्चित शारीरिक संकेत नहीं है। कई सामान्य कारणों में यौन क्रिया एक प्रमुख और सामान्य कारण है। किसी भी तरह की पेनेट्रेटिव यौन क्रिया, जिसमें यौन संभोग शामिल है, को पारंपरिक रूप से कौमार्य भंग का कारण माना जाता है। आनुवंशिकी और प्राकृतिक विविधता में कुछ लोगों में जन्म से ही हाइमन बहुत कम या ना के बराबर होती है। वहीं शारीरिक गतिविधि जैसे घुड़सवारी, जिमनास्टिक या साइकिलिंग जैसी शारीरिक गतिविधियों या खेलकूद के कारण भी हाइमन खिंच सकती है या फट सकती है। पेल्विक क्षेत्र में कोई दुर्घटना या चोट लगना भी एक कारण हो सकता है। कुछ मामलों में टैम्पोन के उपयोग से भी हाइमन पर प्रभाव पड़ सकता है। कुछ चिकित्सा जांच या सर्जरी के दौरान भी हाइमन पर असर पड़ सकता है।

असल में यह वर्जिनिटी टेस्ट पूरी तरह से अवैज्ञानिक है और महिलाओं के शोषण का एक माध्यम बन गए हैं। आधुनिक समाज, शिक्षित लोग और महिला संगठन इस प्रथा का कड़ा विरोध करते हुए इसके उन्मूलन की मांग कर रहे हैं। कई मामलों में पीड़ितों ने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है। इस प्रथा ने ना सिर्फ कई बेटियों की जिंदगी खराब की है, बल्कि कुप्रथा की प्रताड़नाओं के चलते कई जीवन भी समाप्त किए हैं। इसके बाद समाज विशेष के कई लोग व संबंधित पंचायत भी अब कानूनी पेंच के चलते प्रथा को बंद करने के दावे भी करने लगे हैं।

विभिन्न देशों के सर्वोच्च न्यायालयों और उच्च न्यायालयों (जैसे भारत में छत्तीसगढ़ और दिल्ली उच्च न्यायालय) ने भी वर्जिनिटी टेस्ट को असंवैधानिक और महिला की गरिमा के विरुद्ध माना है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार, यूएन वुमन और डब्ल्यूएचओ ने इस प्रथा पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है। हालांकि ये प्रतिबंध सिर्फ सरकार, सामाजिक संगठन या न्यायालयों के दखल तक सीमित नहीं रखे जा सकते। हम सभी को मिलकर और सामाजिक दखल बनाकर ऐसी कुप्रथाओं को रोकना होगा, जो समाज में महिलाओं में लैंगिक भेदभाव को पनपा रहे हों। इसके लिए सामूहिक प्रयासों की दरकार है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

पंचांग

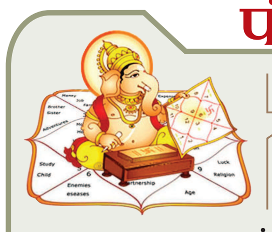

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 24/12/2025

सूर्योदय : 07:17 **सूर्यास्त** : 17:35 **चन्द्रोदय** : 10:19 **चन्द्रास्त** : 21:34 **शक सम्वत** : 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत्** : 2082 कालयुक्त **अमान्त महीना** : पौष **पूर्णिमांत** : पौष **सूर्य राशि** : धनु **चन्द्र राशि** : मकर **पक्ष** : शुक्ल **तिथि**: चतुर्थी, 13:08 तक **वार** : बुधवार **द्रिक ऋतु** : शिशिर **दिक अयन** - उत्तरायण **कलियुग** : 5126 वर्ष.

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : धनिष्ठा, 32:09 तक | **प्रथम करण** : विष्टि, 13:08 तक
योग : हर्षणा, 15:54 तक | **द्वितीय करण** : बावा, 25:28 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:22 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:49 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:04 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:28 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:30 पी एम से
अमृत काल	09:23 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:54 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : बुध
भद्रावास : पाताल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 07:16 - 08:33	उद्वेग : 17:34 - 19:17
अमृत	: 08:33 - 09:50	शुभ : 19:17 - 21:00
काल काल वेला	: 09:50 - 11:08	अमृत : 21:00 - 22:43
शुभ	: 11:08 - 12:25	चर : 22:43 - 00:25
रोग वार वेला	: 12:25 - 13:42	रोग : 00:25 - 02:08
उद्वेग	: 13:42 - 15:00	काल : 02:08 - 03:51
चर	: 15:00 - 16:17	लाभ : 03:51 - 05:33
लाभ	: 16:17 - 17:34	उद्वेग : 05:33 - 07:16

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघड़िया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघड़िया माना जाता है।

आज चतुर्थी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी रिक्ता तिथियां हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंगणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

पौष, शुक्ल, चतुर्थी, 2082 बुधवार, 24 दिसम्बर - 30 दिसम्बर, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
वैवाहिक जीवन में परस्पर सम्मान की भावना में वृद्धि होगी। वरिष्ठजनों का सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। घर में बदलाव कर सकते हैं। व्यवहार की प्रशंसा होगी।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
लेन-देन में की गयी जल्दबाजी आपको आर्थिक हानि पहुँचा सकती है। व्यर्थ दौड़धूप करनी पड़ेगी, लेकिन उसका परिणाम कुछ खास नहीं मिलेगा। मधुमेह के रोगियों को खानपान का ध्यान रखना चाहिये।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
आपकी जीवनशैली में सुधार आयेगा। रुके हुये सरकारी कार्य पूरे हो जायेंगे। बड़े अधिकारी आपसे बहुत प्रसन्न रहने वाले हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी बातों को विशेष महत्व मिलेगा।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
मांगलिक उत्सवों में भाग लेंगे। व्यापार में बहुत अच्छे मौके मिलेंगे। रूपरेखा बनाकर काम करना लाभकारी सिद्ध होगा। नौकरीपेशा का ट्रान्सफर हो सकता है। पढ़ाई-को लेकर अत्यन्त सजग रहेंगे।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
काम के प्रति एकाग्र नहीं हो पा रहे हैं, इसीलिये नये काम की शुरूआत न करें। प्रेम सम्बन्धों को लेकर तनाव बढ़ेगा। सुख-सुविधाओं में कमी आयेगी। कानूनी मामलों में परेशानियाँ बढ़ सकती हैं।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
आपकी कुछ महत्वपूर्ण वस्तुयें गुम हो सकती हैं। लोग आपके सही काम का भी विरोध करेंगे। जोखिम भरे निवेश करने से आपको बचना चाहिये। पेट में एसिडिटी की शिकायत हो सकती है।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
आप परिवार को अत्यधिक महत्व देंगे। घुटनों में दर्द की शिकायत हो सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। कारोबारी अनुबन्धों के लिये दिन बहुत ही अच्छा है। बच्चों की उपलब्धियों से हर्षित रहेंगे।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
व्यवसाय में बड़ा बदलाव कर सकते हैं। मृदु व्यवहार के कारण लोगों के चहेते बने रहेंगे। भाई-बन्धुओं के बीच आत्मीयता की भावना बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आपको नये अनुभव मिलेंगे।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
यदि आप किसी काम को टालते हैं तो भविष्य में भी उसके टलने की सम्भावना बढ़ जायेगी। सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। सभी कार्यों को समय पर पूर्ण करने का प्रयास करें।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
कारोबार में थोड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। अति आत्मविश्वास के कारण आपको परेशानी झेलनी पड़ेगी। बेवजह के मामलों में उलझ सकते हैं। बुरी संगत वाले लोगों से दूरी बनाकर रखें।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
समझदारी पूर्वक स्थितियों को सम्भालने का प्रयास करें। अधूरे कार्यों को समय पर निपटा पायेंगे। बच्चों को अनुशासन की शिक्षा अवश्य दें।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
व्यापार में आर्थिक लाभ मिल सकता है। काम में रुकावटें आ सकती हैं। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों में आप अत्यन्त सक्रि य रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

मारवाड़ महोत्सव सांस्कृतिक एकता और लोक परंपरा का अद्वितीय संगम-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ओडिशा के संबलपुर में मारवाड़ महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ की धरती ओडिशा अध्यात्म, धर्म, संस्कृति, संस्कार, साहित्य और देश की आजादी के लिए लड़ने वालों की भूमि है। उन्होंने कहा कि शौर्य और वीरता की धरती राजस्थान से यहां आए मारवाड़ी समाज का अपनी मातृभूमि से गहरा जुड़ाव है।

बिरला ने कहा कि मारवाड़ी समाज ओडिशा की धरती पर अपने कर्म और श्रम से अमूल्य योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान और ओडिशा का गहरा संबंध भी है। दोनों की आध्यात्मिक आस्था, संस्कृति और विचारों में समानता है। मारवाड़ी समाज जन्मस्थली से जुड़कर कर्मस्थली पर सामाजिक दायित्वों को निभाते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानियों को अपनी जन्मस्थली से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया है। इसी कड़ी में प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया। उन्होंने आह्वान किया कि विकसित भारत के सपने को साकार करने में सभी अपना सकारात्मक सहयोग दें।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान और ओडिशा तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। एक भारत और श्रेष्ठ भारत के लिए राजस्थान और ओडिशा में निवेश के अवसर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मारवाड़ महोत्सव के आयोजन से हमारी सांस्कृतिक विरासत आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश-दुनिया में मारवाड़ी अपनी संस्कृति को संरक्षित कर एक भारत-श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साकार कर रहे हैं। मारवाड़ी समाज शिक्षा, चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में सामाजिक सरोकार के कार्य कर सभी जगह मेहनत व ईमानदारी से राजस्थान की मिट्टी की खुशबू को फैला रहे हैं। शर्मा ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच द्वारा आयोजित यह महोत्सव सांस्कृतिक एकता, लोक परंपरा और भारतीय गौरव का अद्वितीय संगम है।

विंटर सॉलिस्टिक में ली ग्रहों की रोचक जानकारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, राजस्थान जयपुर एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में एस्ट्रो नाईट स्काई ट्यूरिज्म कार्यक्रम के अंतर्गत बीते दिनों प्रातः 1130 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक शीतकालीन संक्रांति (विंटर सॉलिस्टिक) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यटकों को जंतर मंतर में स्थित यंत्रों के माध्यम से विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई व यंत्रों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में जंतर मंतर के व्याख्या केन्द के विषय विशेषज्ञ श्वेता वैष्णव, गोविन्द दाधिच एवं खगोलविद राहुल शर्मा द्वारा शीतकालीन संक्रांति (विंटर सॉलिस्टिक) विषय पर प्रेजेन्टेशन के माध्यम से जानकारी दी गई। सूर्य जब अपनी चरम ऊँचाई पर था तब जंतर मंतर में स्थापित षष्ठांश यंत्र व दक्षिणोवर्ती भित्ति यंत्र से गणनाएँ की गयी। देशी एवं विदेशी पर्यटकों तथा विद्यार्थीयों ने बड़े ही कौतूहल से इसकी जानकारी प्राप्त की। राहुल शर्मा ने बताया की इस दिन उत्तरी गोलार्ध में साल का सबसे छोटा दिन और सबसे लम्बी रात होती है, और यह वह समय है जब पृथ्वी का उत्तरी गोलार्ध सूर्य से सबसे दूर झुका होता है, जिसके बाद दिन का समय फिर से बढ़ने लगता है और रात का समय काम होने लग जाता है यही क्रम 22 मार्च तक चलता रहता है 22 मार्च को दिन और रात का समय बराबर होता है। सांय 6 से रात्री 8 बजे तक उच्च स्तरीय टेलिस्कोप के माध्यम से जंतर मंतर आये हुए लगभग 300-350 दर्शको को शनि और ब्रहस्पति ग्रह और उनके चन्द्रमा को दिखाया गया।

स्व.प्रधानमंत्री अटल जी के 100वां जन्मशताब्दी समारोह

महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान में 'सदैव अटल' आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बनीपार्क स्थित महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान में स्व. प्रधानमंत्री अटल जी के 100वें जन्मशताब्दी समारोह के अंतर्गत 'सदैव अटल' कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान प्रभारी डॉ. बी.आर. मीणा ने आयोजन हेतु समिति का गठन किया गया था जिसमे डॉ. मोनिका कुमारी-नोडल अधिकारी, संतोष कुमार शर्मा एवं राकेश कुमार मिश्रा सदस्य रहे है। भारत सरकार आयुष मंत्रालय द्वारा दिये गये निर्देशानुसार उक्त अवधि में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित की गई जिनमें जन आरोग्य चेतना अभियान के अंतर्गत वाजपेयी जी की फिलोसोफी 'स्वस्थ नागरिक, स्वस्थ राष्ट्र' के तहत विभिन्न आदिवासी क्षेत्रों में आम जनता को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने हेतु संस्थान की टीमों द्वारा व्याख्यान देकर जागरूक किया गया। मोबाईल आयुष क्लिनिक के अंतर्गत शिविर लगा कर आम जनता की स्वास्थ्य जाँच व निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। डॉ. मीणा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से आयुर्वेद की वैज्ञानिक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को सम्मान मिलता है, साथ ही यह वर्तमान पीढ़ी को भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का कार्य करता है एवं आयुर्वेदिक सिद्धांतों और जीवनशैली को प्रोत्साहन प्राप्त होता है। ये सभी कार्यक्रम 25 दिसंबर 2024 से प्रारंभ होकर 25 दिसंबर 2025 तक मनाया जा रहा है।

रक्षिता इंडिया प्रतिष्ठित अवार्ड से सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अजमेर की बिटिया रक्षिता झा ने यूके (यूनाइटेड किंगडम) में बढ़ाया देश का मान। एमएससी मार्केटिंग और ब्रांड मैनेजमेंट नॉटिंघम बिजनेस स्कूल में All subjects distinction से पास करके अपनी मास्टर्स डिग्री प्राप्त की है। रक्षिता को " india prestigious award" से नवाजा गया।

15 जनवरी से शुरू होगा जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान का सबसे खूबसूरत, पूरी दुनिया में पिंक सिटी के नाम से मशहूर और हरदिल अजीज शहर जयपुर में साहित्य प्रेमियों का महाकुंभ लगने जा रहा है। जीहां, नए साल की गुनगुनी ठंड में 15 जनवरी से जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2026 के 19वें संस्करण का आगाज होने जा रहा है। इस फेस्टिवल की यादों को समेटने और उसका हिस्सा बनने के लिए साहित्य प्रेमी बेहद बेसब्र हैं। रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। 19 जनवरी तक चलाने वाले जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 300 से अधिक सत्रों और 500 से अधिक वक्ताओं की मेजबानी करेगा। भारत सहित दुनिया के कई देशों के वक्ता, साहित्य, इतिहास, राजनीति, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक मामलों, कविता, कला जैसे विस्तृत विषयों पर चर्चा करेंगे।

फेस्टिवल में सुधा मूर्ति, अमिश, प्रसून जोशी, शोभा डे, अनुराधा रॉय, जीत थायिल, अश्विन सांघी, नवतेज सरना, गुरचरण दास सहित कई भारतीय लेखक भी हिस्सा लेंगे।

जनसम्पर्क मित्र की ओर से डीपीआर के सेवानिवृत साथियों का आठवां स्नेह मिलन आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जनसम्पर्क मित्र की ओर से डीपीआर के सेवानिवृत साथियों का आठवां स्नेह मिलन ईश्वर दत्त माथुर के सौजन्य से आदर्श नगर स्थित तड़का में आयोजित किया गया। इससे पूर्व गणपत सिंह नारोलिया, रवि गोस्वामी, यादवेंद्र सैन, के एल मीना, अलका सक्सेना, गोविन्द पारीक और रेणु जुनेजा के सौजन्य से यह आयोजन रखा गया था। सत्पुरुषों का मिलन सदैव मंगलकारी होता है। विशेषकर एक ही विभाग में कार्य करने वाले मित्रों का जब साथ हो, विश्वास हो और मित्रों का जुटान हो तो उसका हर पल मनोहर और आनंददायक होता है। सदा की तरह एक दूसरे की कुशलक्षेम के साथ जनसम्पर्क की यादों को ताज़ा किया गया। इस अवसर पर अलका सक्सेना, वीना करमचंदानी, ईश्वर माथुर, बाल मुकुंद ओझा, प्रभात गोस्वामी, यादवेंद्र सैन, लोकेश शर्मा, गणपत सिंह नारोलिया, रूप सिंह कविया, के एल मीना, गोविन्द शर्मा, भूपेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र शर्मा उपस्थित थे।

बांग्लादेश हिंसा में दीपू की निर्मम हत्या के विरोध में फूंका पुतला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा बांग्लादेश में हुई दीपू चंद्र दास की निर्मम हत्या को लेकर विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन का आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं द्वारा वंदे मातरम पार्क से कमला नेहरू नगर पुलिया तक रैली निकाली गई। और नारेबाजी करते हुए बांग्लादेश का पुतला दहन किया गया। बजरंग दल जयपुर प्रान्त संयोजक परमवीर सिंह चौहान ने बताया कि बांग्लादेश में हो रही घटनाओं एवं हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में यह प्रदर्शन किया गया है। बजरंग दल हमेशा हिंदू समाज की सुरक्षा और सम्मान के लिए आवाज उठाता है। विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन में बजरंग दल के जिला सुरक्षा प्रमुख रवि गौतम, निंबार्क प्रखंड संयोजक दीपक भारद्वाज, विपुल शर्मा, कैलाश गुर्जर, विष्णु शर्मा, कैलाश धोबी, विकाश शर्मा, रोहित शर्मा सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहें।

"गुरू गोबिन्द सिंह ने कहा था कि जो राष्ट्र के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देता है, वही सच्चा मानव है- प्रो आनंद भालेराव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सिख पंथ के दसवें गुरु, गुरु गोबिन्द सिंह जी साहस, त्याग, राष्ट्रप्रेम और आध्यात्मिक ऊंचाइयों का एक अनंत प्रकाश -स्तंभ है। गुरु गोबिन्द सिंह जी का जीवन जितना महान हैं, उतना ही व्यापक और अनसुना भी है। यह कहना था गुरु गोबिन्द सिंह जयंती के उपलक्ष्य में मुख्य वक्ता के रूप में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आनंद भालेराव का। इससे पूर्व कुलपति ने गुरु गोविन्द सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। प्रो भालेराव ने गुरूजी पर विस्तृत रूप से बताते हुए कहा कि वें 14 भाषाएं जानने वाले विद्वान् थे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कर्मचारी व विद्यार्थी वर्ग बड़े समूह में उपस्थित रहें। अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव अमरदीप शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन जनसंपर्क अधिकारी अनुराधा मित्तल ने किया।

सनातन संस्कृति अनुरूप मनाया डॉ. दादरवाल का जन्मोत्सव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। संत बाबा मेहर दास मंदिर में डॉक्टर एम के दादरवाल डेंटिस्ट का जन्मदिनजय हिन्द शुभकामना ग्रुप मुरलीपुरा के सौजन्य से, हमारी संस्कृति के अनुरूप स्वस्ती पूजन, माला, शाल दुपट्टे आदि साथ दीपदान कर पुष्पवर्षा के साथ दिर्घायु एवं पूर्णस्वास्थ का सब ने शुभ आशीर्वाद प्रदान किये। ट्रस्ट के अध्यक्ष लोक चन्द हरिरामानी ने बताया कि डाक्टर साहिब ने भंडारा पोष बड़े का आयोजन किया गया जिसमें करीब 300 भक्त जनों ने पंगत प्रसादी का रसो स्वादन किया।

कार्यक्रम मे समाजसेवी एवं ग्रुप संयोजक नगेन्द्र वशिष्ठ ने सब से अपील की है की सभी को पश्चात् केक परंपरा से अलग हमें हमारी पूर्व संस्कृति का अनुसार कर आने वाली पीढ़ी मे संस्कार देवे, वरिष्ठ सेवदारी रमेश कर्मचानदानी, कन्हैया लाल लखवानी, पाक शाला प्रबंधक रमेश लालवानी जी के साथ माया, मीरा, गणेश नरियानी कार्यक्रम मे सक्रिय सहयोग रहा

शर्मा मनु स्मृति सम्मान 2025 से सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। वैदिक ज्योतिषी और केपी विशेषज्ञ इंजीनियर कुलदीप शर्मा को 23वें अखिल भारतीय ज्योतिष सम्मेलन के अवसर पर मनु ज्योतिष और वास्तु अनुसंधान संस्थान, टोंक के अध्यक्ष बाबू लाल शास्त्री द्वारा "मनु स्मृति सम्मान 2025" से सम्मानित किया गया। शर्मा ने अपने व्याख्यान में बताया कि वैवाहिक जीवन में स्थिरता के लिए वर और वधू की कुंडली का मिलान कितना महत्वपूर्ण है और ग्रह मैत्री के साथ अष्टकूट कारकों पर विचार करना कितना आवश्यक है। उनके बहुमूल्य व्याख्यान को सुनकर श्रोताओं ने तालियां बजाईं।

स्टार सोशल ग्रुप द्वारा डा अशोक दुबे को स्टार इको आइकन अवॉर्ड से किया गया सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। गोविंद देव जी मंदिर, परिसर क्षेत्र में स्थित जलेब चौक पर डा राकेश केदावत, डा अशोक दुबे एवं मंदिर पुजारी जी द्वारा प्रातः दीप प्रजलवन, सूर्य वंदना, गणेश वंदना एवं प्रकर्ति वंदना कर समस्त जयपुर वासियों की उत्तम स्वास्थ्य मंगल कामना के लिए प्रार्थना कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर डा अशोक दुबे को उनके पर्यावरण के प्रति वर्ष भर किये गए कार्य 2025 के वास्ते ,डॉक्टर राकेश केदावत द्वारा साफा, मेडल,शील्ड एवं पौध भेंट कर स्टार इको आइकॉन अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, सुभाष गोयल, अध्यक्ष जयपुर व्यापार महासंघ, ने अपना संबोधन दिया एवं डॉ रेखा केदावत, राम अवतार गुप्ता,बजरंग लाल अग्रवाल सहित प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। डॉक्टर राकेश केदावत ने पर्यावरण संरक्षण रैली, गोविंद देव जी मंदिर में आने वाले प्रत्येक वृद्ध जनों को दर्द का तेल दर्द निवारक गोलियां बी कंपलेक्स एवं पाचन संबंधित परेशानी वास्ते वरिष्ठ नागरिक, निशुल्क परामर्श शिविर आयोजित किया गया ।

भारतीय मजदूर संघ भामस की प्रदेश स्तरीय रैली 26 को

जयपुर @ जागरूक जनता। भारतीय मजदूर संघ भामस की प्रदेश स्तरीय रैली 26 दिसम्बर को शहीद स्मारक से होतें हुए सिविल लाइन फाटक पर एक लाख कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर रैली निकाली जायेगी। जिसमें सर्व शिक्षा अभियान विशेष शिक्षक संघ भामस के कार्यकर्ता भी भाग लेंगे। इसके लिए प्रदेश कार्यकारणी की मिटिंग में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए सभी को निर्देश दिए गए। यह जानकारी प्रदेश महामंत्री जुगलकिशोर अवस्थी द्वारा दी गई।

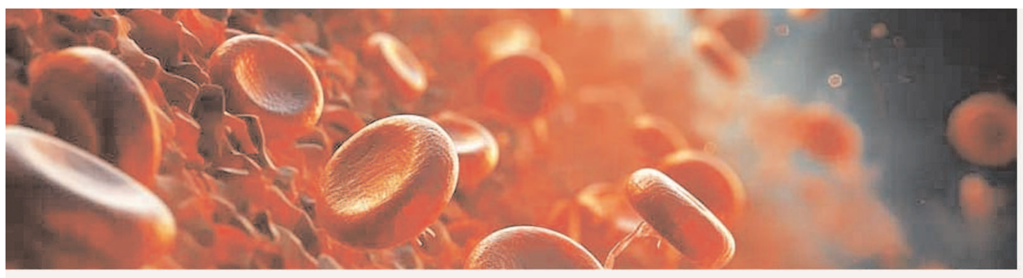

एनीमिया ऐसे करें दूर

रगों में खून दौड़ना ही चाहिए, लेकिन खून ही कम हो तो कमज़ोरी आना भी लाज़मी है। आजकल खून (हीमोग्लोबिन-Hb) की कमी यानी एनीमिया काफी बढ़ रहा है। बच्चों, बड़ों समेत देश की आधी से ज्यादा महिलाएं इससे जूझ रही हैं। खून की कमी कैसे दूर करें? इसका असर फैमिली लाइफ पर भी किस तरह पड़ता है? *किसी भी प्रयोग से पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।*

हमारे देश में एनीमिया के ज्यादातर (90 फीसदी या इससे भी ज्यादा) मामलों में इसकी वजह सही डाइट का न होना है। हर दिन के भोजन में अगर प्रोटीन, फैट, कार्बोहाइड्रेट्स, मिनरल्स, विटामिन्स, फाइबर्स आदि की मौजूदगी सही मात्रा में हो तो मुमकिन है कि इस परेशानी से काफी हद तक बचे रहेंगे। लेकिन सवाल ये है कि हीमोग्लोबिन की कमी दूर करने के लिए आयरन सप्लिमेंट्स की कितनी ज़रूरत होती है? क्या इसे सभी को खाना चाहिए? शरीर में हीमोग्लोबिन के किस लेवल तक आयरन सप्लिमेंट्स लेने चाहिए, जानते हैं इनके जवाब:

एनीमिया की 3 स्टेज

1. माइल्ड: खून में हीमोग्लोबिन 10-11 g/dL के आसपास हो तो यह माइल्ड स्टेज है। इसमें ज्यादा कमजोरी नहीं होती, लेकिन जल्दी थकावट हो सकती है। हेल्दी और बैलंस्ड डाइट के साथ इसे दुरुस्त किया जा सकता है। हां, कुछ मामलों में सप्लिमेंट्स की ज़रूरत भी हो सकती है।

2. मॉडरेट: जब हीमोग्लोबिन 8-9 g/dL हो जाए तो यह मॉडरेट स्टेज है। इसमें कमजोरी के साथ दूसरे लक्षण भी उभर सकते हैं। इसमें अच्छी डाइट के साथ सप्लिमेंट देना ज़रूरी हो जाता है। कुछ मामलों में आयरन के इंजेक्शन की ज़रूरत भी हो सकती है। कुछ बीमारियों में मॉडरेट एनीमिया के लक्षण देखे जा सकते हैं। मसलन: क्रॉनिक किडनी डिजीज में जब तक डायलिसिस शुरू न हुई हो, पीलिया के कुछ मामलों में, आदि।

3. सीवियर: हीमोग्लोबिन अगर 8 g/dL से कम होकर 7, 6, 5... तक आ जाए तो यह एनीमिया की सीवियर स्टेज है। इसमें मरीज की स्थिति अच्छी नहीं रहती। अस्पताल में भर्ती कराना पड़ सकता है। कुछ लोगों को तो बात करने में भी परेशानी हो सकती है। इसलिए कई बार खून चढ़ाने की स्थिति भी बन जाती है।

इस पेज के किसी भी आलेख के लिए जागरूक जनता उत्तरदायी नहीं है। अपने डॉक्टर की सलाहनुसार प्रयोग करें।

2-3

मुट्ठी अंकुरित काले चने हर दिन खाने से एनीमिया में काफी फायदा होता है। अगर किसी को शुगर न हो तो साथ ही एक टुकड़ा गुड़ भी शामिल कर लें।

6 सबसे खास बातें

- हर दिन के खाने में करीब आधा हिस्सा सब्जियों, सलाद और फलों का होना चाहिए।
- आयरन से भरपूर डाइट लेने के साथ जज्ब करने की क्षमता भी बढ़ाना बेहद ज़रूरी है।
- खाने में विविधता हो। सब्ज़ियां और फल तरह-तरह के खाएं। अनाज में गेहूं, चावल के साथ मिलेट्स भी ज़रूर लें।
- विटामिन-C वाले फल (नीबू, संतरा, अमरूद, आंवला, अनानास, पपीता आदि) खाने से शरीर में आयरन जज़्ब करने की क्षमता बढ़ती है।
- खाने से 1 घंटा पहले और 1 घंटा बाद तक चाय या कॉफी न पिएं। इससे शरीर आयरन को जज्ब नहीं कर पाता।
- हमारे खून की गुणवत्ता कम होती है हीमोग्लोबिन का लेवल कम होने से। इसकी वजह है शरीर में आयरन, प्रोटीन, B9, B12 फूड सोर्स की कमी।

शरीर में खून की औसत मात्रा

शख्स	खून की मात्रा	लीटर में
पुरुष	7-8%	5-6 लीटर
महिला	6-7%	4-5 लीटर
नवजात	10%	80-90ml/kg

खून में हीमोग्लोबिन आखिर है क्या?

जब बात खून की होती है तो वह सिर्फ लाल वाले हिस्से (हीमोग्लोबिन) की नहीं होती। खून में कई दूसरे ज़रूरी सेल्स भी हैं- इसमें लाल रक्त कोशिकाएं (RBCs), सफेद रक्त कोशिकाएं (WBCs), प्लैटलेट्स और प्लाज्मा आदि शामिल हैं। सीधे कहें तो हीमोग्लोबिन को पूरा ब्लड समझ लेना सही नहीं है। हीमोग्लोबिन असल में एक प्रोटीन है जो RBC (लाल रक्त कोशिकाओं) के अंदर पाया जाता है। यह फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के हर हिस्से यानी हर कोशिकाओं तक पहुंचाता है और वापस कार्बन डाइऑक्साइड को बाहर निकालने में मदद करता है। इसलिए हीमोग्लोबिन को खून का ऑक्सीजन-करियर कहा जाता है। अगर हीमोग्लोबिन का लेवल कम हो जाए तो इसका मतलब यह नहीं कि खून की मात्रा कम हो गई है बल्कि उसकी ऑक्सीजन ढोने की क्षमता घट गई है। इसे ही एनीमिया कहा जाता है। ऐसे में कमजोरी, चक्कर आना, थकान, सांस फूलना और चेहरा पीला पड़ना जैसी समस्याएं हो सकती है।

हमें इतना आयरन हर दिन चाहिए

किसी महिला के लिए ज़रूरी	15-18mg
बच्चे के लिए ज़रूरी	7-10mg
पुरुष के लिए ज़रूरी	8-10mg

ओवरवेट का मतलब ज्यादा खून नहीं

ज्यादा वज़न होने का यह मतलब नहीं है कि उस शख्स के शरीर में खून या हीमोग्लोबिन की मात्रा सही या कुछ ज्यादा है। मोटापा ज्यादा फैट जमा होने से होता है बल्कि इससे एनीमिया की आशंका बढ़ जाती है।

चने, सब्जी-सलाद फायदेमंद, खूब खाएं

भुने चने: आयरन और प्रोटीन को बाइंड करने में मददगार। साथ ही प्रोटीन का भी बेहतरीन सोर्स है। साथ में किशमिश या मुनक्का भी खा सकते हैं।

गुड़, काले अंकुरित चने, खजूर और किशमिश: सर्दियों में खाना फायदेमंद है। अगर शुगर न हो तो 50 ग्राम तक गुड़ और अपनी मुट्ठी से नापकर 2 मुट्ठी अंकुरित चने खाने से आयरन का लेवल सही रहता है। वहीं, खजूर और किशमिश भी आयरन के अच्छे सोर्स हैं।

हर दिन फल: अगर शुगर है तो हर दिन एक मौसमी फल और शुगर नहीं है तो 2 फल भी खा सकते हैं। इसमें अनार एक अच्छा विकल्प है। यह आयरन और विटामिन-C दोनों का अच्छा स्रोत है। अनार का जूस खून बढ़ाने के लिए बहुत असरदार माना जाता है।

नीबू या विटामिन-C वाले फल: आधा नीबू और एक संतरा हर दिन। नीबू नहीं हो तो एक आंवला भी चलेगा।

हरी पत्तेदार सब्जियां: हर दिन 2 कटोरी मौसमी हरी सब्जी या साग या फिर दोनों। इसमें पालक, मेथी, सरसों और चौलाई साग आयरन के बेहतरीन स्रोत हैं।

चुकंदर, गाजर और शकरकंद: चुकंदर आयरन, फोलेट और फाइबर से भरपूर होता है जो खून में हीमोग्लोबिन के स्तर को तेज़ी से बढ़ाता है। इसका जूस नियमित रूप से पीना बहुत फायदेमंद है। वहीं, गाजर और शकरकंद में विटामिन-A और विटामिन-C की भरपूर मात्रा होती है।

दालें: हर दिन 2 कटोरी दाल। मूंग, मसूर आदि दाल खाएं।

इनके अलावा सेब, केला, खट्टे फल (संतरा, नीबू), पपीता और अमरूद भी एनीमिया में फायदेमंद हैं। खट्टे फल विटामिन-C देते हैं जो आयरन को जज्ब करने में मददगार हैं। इन्हें हर दिन न सही, हफ्ते में 3 से 4 दिन खाने से भी काफी फर्क पड़ेगा।

लोहे की कड़ाही: सब्जी बनाने के लिए लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे भोजन में आयरन की मात्रा बढ़ती है।

बाजरा: हफ्ते में 3 से 4 दिन खाएं। बाजरा आयरन का और रागी कैल्शियम का बेहतरीन सोर्स है। इसलिए जब भी इनसे बनी चीजें खाएं तो कोशिश करें कि ऊपर से थोड़ा घी भी डाला जाए।

सिर्फ हीमोग्लोबिन देखना काफी नहीं

यह सच है कि शरीर में होने वाली ज्यादातर बीमारी के पीछे एनीमिया यानी खून की कमी ही वजह है। इसलिए होम्योपैथ को इस बात का ध्यान रखकर ही इलाज करना चाहिए। चाहे हम शुगर, बीपी जैसी लाइफस्टाइल से जुड़ी परेशानी की बात करें या फिर किसी दूसरी खतरनाक बीमारी की। जिन लोगों के शरीर में हीमोग्लोबिन लेवल, आयरन लेवल या आयरन बाइडिंग कैपिसिटी सही होती है, उनमें अमूमन इस तरह की परेशानी कम ही देखी गई है।

देश में ज्यादातर महिलाएं एनीमिया का शिकार होती हैं। उनके शरीर में हीमोग्लोबिन का सामान्य स्तर 10 से भी कम होता है। इसके साथ ही आयरन लेवल और फेरिटिन (Ferritin) का लेवल भी रेंज में रहना ज़रूरी है। कई बार ऐसी स्थिति हो सकती है कि हीमोग्लोबिन सही हो, लेकिन प्रोटीन से आयरन के जुड़ने की कैपिसिटी में कमी से परेशानी हो। इसलिए इसका ध्यान रखना ज़रूरी है। जब भी हीमोग्लोबिन का टेस्ट कराते हैं तो साल में कम से एक या दो बार TIBC (Total Iron-Binding Capacity) और Ferritin Level ज़रूर जांच करवा लें।

एनीमिया किन वजहों से होता है?

खानपान की वजह से: ज्यादातर मामले इसी वजह से सामने आते हैं और सही डाइट से हीमोग्लोबिन का स्तर बेहतर हो जाता है।

पेट में कीड़े होने से: साल में एक बार कीड़े मारने वाली दवा खाने से इसका खतरा कम हो जाता है। बच्चों के मामले में ऐसा ज़रूर कर लेना चाहिए।

विटामिन की कमी से: यह भी डाइट से जुड़ी बात है, पर विटामिन-B9 यानी फोलेट और B12 को मेंटेन करने से भी हीमोग्लोबिन का स्तर सही रहता है। वहीं, विटामिन-D की कमी से भी खून की कमी हो सकती है।

खून बह जाने से: कई बार चोट लगने से भी शरीर से काफी खून का नुकसान हो जाता है।

बीमार होने से: ज्यादातर बीमारियों में शरीर में खून की कमी हो सकती है। लेकिन छोटी-छोटी परेशानियों में शरीर इसे फिर से दुरुस्त कर लेता है। लेकिन गंभीर मामलों में कई बार ऐसा करना मुमकिन नहीं होता।

ऑटो इम्यून बीमारियों से: कुछ बीमारियों में शरीर में RBC अपनी पूरी ज़िंदगी नहीं जी पाते।

इसकी वजह लिवर सिरोसिस, कैंसर, किडनी फेल होना जैसी गंभीर बीमारियां भी हैं।

खून की कमी के ये हैं लक्षण

थकान और कमजोरी: ज़रा-सी मेहनत में ही थकान का महसूस होना। मांसपेशियों में ताकत महसूस न होना।

चेहरा पीला पड़ना: होंठ, हथेलियां, नाखून या चेहरा आदि पीला दिखना। आंखों के अंदर का हिस्सा गुलाबी न होकर फीका दिखना।

सांस फूलना: सीढ़ियां चढ़ते या थोड़ा तेज़ चलने पर सांस फूलना।

दिल की धड़कनें तेज़ होना: अक्सर सीढ़ियां चढ़ते हुए हार्ट बीट तेज़ होना। चक्कर आना।

हाथ-पैर ठंडे रहना: शरीर का तापमान सामान्य रहते हुए भी हथेलियां/पैर ठंडे रहना।

बाल झड़ना: बाल पतले हो जाना और टूटना। यही हाल नाखूनों का भी हो सकता है। नाखून चम्मच की तरह मुड़ जाना।

मूड बदलना/चिड़चिड़ापन: मानसिक थकान या फोकस करने में मुश्किल महसूस होना।

भूख में कमी: यह भी एनीमिया का एक अहम लक्षण है, खासकर बच्चों में।

नोट: ये लक्षण किसी दूसरी बीमारी के भी हो सकते हैं। सही फैसला डॉक्टर ब्लड टेस्ट से करते हैं।

महिलाओं में एनीमिया इस वजह से भी

हर महीने में अमूमन 3 से 7 दिन का दौर होता है जब महिलाओं को पीरियड्स से गुज़रना पड़ता है। इस दौरान जहां ब्लड लॉस होता है, वहीं मूड स्विंग जैसी परेशानी भी होने लगती है। यह हार्मोन लेवल में बदलाव की वजह से होता है। शुरुआत के पहले दो दिनों तक ज्यादा ब्लड लॉस होता है। एक पीरियड में एक महिला का 80ml तक खून शरीर से बाहर चला जाता है। 80 से 170ml हेवी मेंस्ट्रुल ब्लीडिंग (HMB) में गिना जाता है, लेकिन यह काफी हद तक उम्र और शरीर पर निर्भर करता है। 30 साल के बाद एक पीरियड में 5-7 दिनों तक 170ml ब्लड लॉस को भी सामान्य ही माना जाता है। इससे ज्यादा होने पर गाइनी डॉक्टर से मिलना चाहिए। कई बार पीरियड्स में ज्यादा ब्लड लॉस के बाद भी अलर्ट नहीं होती।

इसका असर पारिवारिक रिश्तों पर

जब कोई फीमेल रिप्रोडक्टिव फेज़ यानी मिनार्की (करीब 12-13 साल की उम्र जब पहला पीरियड आता है) से मेनोपॉज (45 साल के करीब जब आखिरी पीरियड्स आते हैं) के बीच होती है तो पीरियड्स के 4-5 दिनों में ब्लड लॉस सामान्य बात है। लेकिन एक सेहतमंद फीमेल में पीरियड्स के दौरान भी हीमोग्लोबिन का सामान्य स्तर बरकरार रहना चाहिए या फिर कुछ ही कम होना चाहिए। जब किसी महिला में खून की कमी होती है तो स्वाभाविक तौर पर उनमें एनर्जी भी कम हो जाती है। जब हीमोग्लोबिन कम होता है तो शरीर की कोशिकाओं तक ऑक्सिजन की सही मात्रा नहीं पहुंचती। ऐसे में शरीर को सही ढंग से चलाने के लिए एनर्जी पैदा नहीं होती। नतीजा, सुबह से ही थकान, हमेशा तनाव में रहना, कई बार डिप्रेशन की स्थिति, दूसरे हॉर्मोस की ऐक्टिविटी भी कम होते जाना जैसी परेशानियां सामने आती हैं। अगर महिला जॉब करती है तो बेहतर परफॉर्म करने, बच्चों को पालने, परिवार का ध्यान रखने और कुकिंग की जिम्मेदारी भी उठाती है। लेकिन खून की कमी हो तो बिना एनर्जी के कामकाज मुश्किल हो जाता है।

वहीं, इस वजह से एस्ट्रोजन, प्रोजेस्ट्रॉन, ऑक्सिटोसिन जैसे हॉर्मोन भी पूरी तरह काम नहीं करते, इससे महिला की सेक्शुअल लाइफ भी डिस्टर्ब होने लगती है। महिला कामकाज से ही इतना थक जाती है कि तुरंत सोना चाहती है। वहीं, पार्टनर को लगता है कि वह बहाना कर रही है।

विटामिन-C और आयरन का रिश्ता है बेहद खास

आयरन को शरीर में जज्ब कराने में विटामिन-C का अहम रोल है। इसे ऐसे भी समझ सकते हैं कि जिस तरह शरीर में खून बनाने में आयरन का सबसे अहम रोल है और सबसे ज़रूरी भी है, उसी तरह विटामिन-C उस आयरन को शरीर में अच्छी तरह जज्ब कराने, घुलने-मिलने और उपयोग लायक बनाने में सबसे अहम है। यही वजह है कि डॉक्टर अक्सर आयरन की दवा, आयरन रिच फूड के साथ विटामिन-C सप्लिमेंट या फूड लेने की सलाह देते हैं। यहां इस बात का ध्यान रखना भी ज़रूरी है कि विटामिन-C के ज्यादा सप्लिमेंट लेने से परेशानी न हो जाए। **हमें आयरन दो तरह के सोर्स से मिलता है: वेज (नॉन-हीम आयरन) और नॉनवेज (हीम आयरन)। इसमें नॉनवेज सोर्स (मछली, चिकन, अंडा आदि) यानी हीम आयरन सोर्स को शरीर आसानी से जज्ब कर लेता है। इसके लिए अमूमन विटामिन-C की ज़रूरत नहीं होती, लेकिन नॉन-हीम यानी वेज सोर्स (चुकंदर, अनार, पालक आदि) से मिलने वाले आयरन को शरीर में जज्ब कराने के लिए विटामिन-C की बहुत ज़रूरत होती है।** विटामिन-C नॉन-हीम आयरन को उस रूप में बदल देता है, जिसे आंतों (इंटेस्टाइन) की कोशिकाएं आसानी से जज्ब कर सकें। इसलिए अगर कोई पालक, चना, राजमा, बाजरा या कोई भी आयरन वाला खाना खा रहा है और उसके साथ आधा नीबू निचोड़ ले या आंवला खा ले तो आयरन का अवशोषण 2-3 गुना तक बढ़ सकता है।

...इसलिए भी आती है ज्यादा नींद

जब शरीर में एनर्जी का स्तर कम हो और लगातार काम करना पड़े तो दीवार का सहारा मिलते ही या टेबल, चेयर पर बैठे-बैठे ही नींद आने लगती है। यह सेहतमंद नींद नहीं होती। यह कमज़ोरी, खून की कमी, विटामिन की कमी वाली नींद होती है। कई बार ऐसा देखा जाता है कि घर में महिलाएं किचन में बैठते ही सोने लगती हैं। कई बार इसके लिए उनका मज़ाक भी बनाया जाता है। लेकिन इस तरह सोना उनकी आदत नहीं है, उसके शरीर की ज़रूरत है। करीब 45 साल की उम्र के आसपास जब मेनोपॉज (आखिरी पीरियड) का दौर शुरू होता है तो उनके हीमोग्लोबिन की स्थिति कुछ बेहतर हो जाती है। लेकिन सही खानपान न होने की वजह से फिर कमी होने लगती है।

कब लें आयरन सप्लिमेंट?

सबसे पहले ब्लड टेस्ट CBC (कंप्लीट ब्लड काउंट) करवा लें। यह टेस्ट 100 से 200 रुपये में हो जाता है। वैसे तो एनीमिया का पता लक्षणों से चल जाता है लेकिन टेस्ट करना ज़रूरी है। फिर डॉक्टर की सलाह से ही सप्लिमेंट ले सकते हैं। डॉक्टर की सलाह इसलिए ज़रूरी है क्योंकि वही समझ सकते हैं कि खून की कमी आयरन की कमी से है या दूसरी वजह से।

आयुर्वेद में एनीमिया दूर करने के उपाय

आयुर्वेद में खून की कमी यानी एनीमिया को पांडु रोग कहते हैं। इसके लिए कई उपाय बताए गए हैं। इनमें से डाइट वाली कई चीज़ें पहले ही बताई जा चुकी हैं। यहां कुछ औषधियों के बारे में बताया जा रहा है, जिन्हें किसी जानकार आयुर्वेदिक चिकित्सक की राय से ले सकते हैं।

- अगर एनीमिया के साथ शरीर में सूजन है तो पुनर्नवा मंडूर+सूत शेखर रस का सेवन कर सकते हैं।
- अगर एनीमिया के साथ पीलिया के भी लक्षण हैं तो नवायस लौह+फलत्रिकादि काढ़ा+रोहितक लौह का सेवन सही रहता है।
- अगर एनीमिया खूनी बवासीर की वजह से है तो उसका भी इलाज साथ में करना पड़ता है। इसके लिए इन्द्रजौ+शुंठी का क्षीरपाक, नवायस लौहइन्द्रजौ+शुंठी का क्षीरपाक, नवायस लौह का सेवन करना सही रहता है।

जागरूक खबरें

बावजी मन्दिर मठ मादडी में निःशुल्क चिकित्सा शिविर

उदयपुर @ जागरूक जनता। भारतीय संस्कृति अभ्युत्थान न्यास की ओर से रविवार को निःशुल्क चिकित्सा शिविर मगरी वाला बावजी मन्दिर मठ मादडी में प्रातः 8.30 से 12.30 बजे तक आयोजित किया जायेगा। चिकित्सा शिविर में बाल चिकित्सक, दंत चिकित्सक, महिला चिकित्सक व फिजिशियन अपनी सेवाएं देंगे। यह जानकारी न्यास के सचिव पंकज पालीवाल ने दी।

ग्राम प्रशासक कश्मीरा को हटाने पर रोक

भरतपुर @ जागरूक जनता। डीग जिले के पंचायत टोडा ग्राम की प्रशासक कश्मीरा को पद से हटाने के आदेश पर राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा रोक लगा लगा दी गयी है। जानकारी के अनुसर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा करायी गयी जांच के बाद पंचायत प्रशासक कश्मीरा को ग्राम पंचायत की बैठकों में लगातार अनुपस्थित रहने के आरोप लगाते 17 दिसंबर को हटा दिया गया था। इस आदेश के खिलाफ प्रशासक कश्मीरा ने राजस्थान उच्च न्यायालय में जयपुर पीठ में एस.बी. सिविल मैरिट याचिका दायर की।

रेलखंड के दोहरीकरण कार्य के लिए 492 करोड़ रुपये की स्वीकृति

उदयपुर @ जागरूक जनता। रेलवे प्रशासन ने राजस्थान के उदयपुर चित्तौड़गढ़ रेलखंड पर में उमरा- देबारी 25 किलोमीटर रेलखंड के दोहरीकरण कार्य के लिए 492 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत दी है। रेलवे प्रशासन द्वारा मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि इस दोहरीकरण से पर्यटन नगरी उदयपुर और आसपास के क्षेत्रों में तेज रेलवे नेटवर्क उपलब्ध होगा। साथ ही क्षेत्र का अहमदाबाद और जयपुर के मध्य भी तीव्र सम्पर्क स्थापित होगा।

श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल एवं आर्ट ऑफ लिविंग के संयुक्त तत्वावधान में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के पावन अंश के आज होंगे दर्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

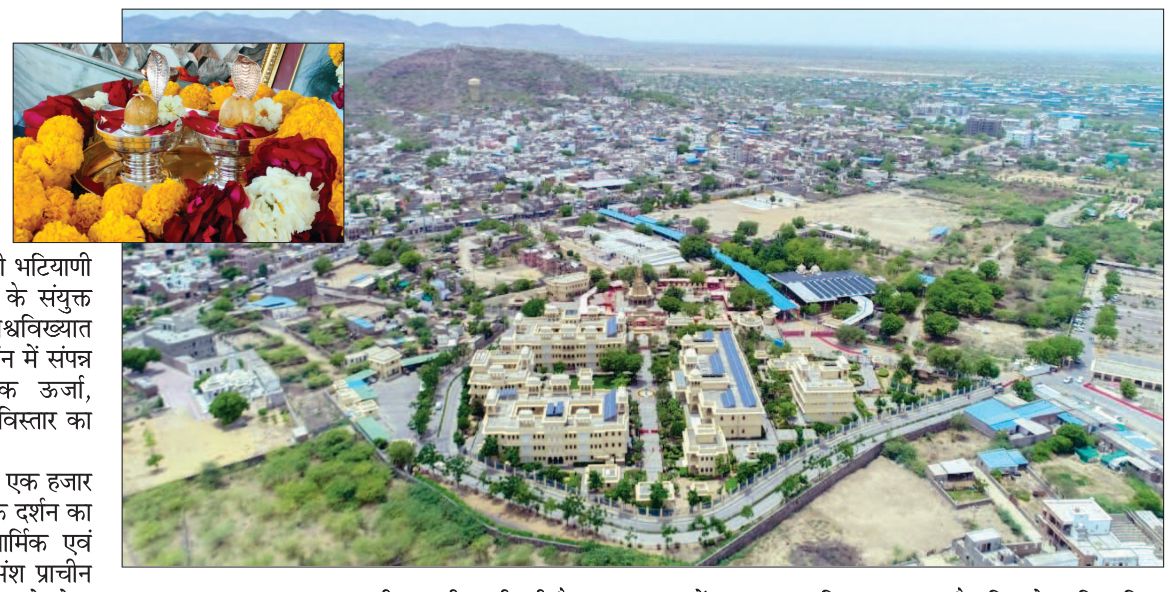

बालोतरा। भारत की सनातन धार्मिक परंपरा, शाश्वत आध्यात्मिक चेतना तथा गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रसार के उद्देश्य से श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल में एक अत्यंत पावन, दिव्य एवं ऐतिहासिक आध्यात्मिक आयोजन का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल एवं आर्ट ऑफ लिविंग के संयुक्त तत्वावधान में तथा उनके संस्थापक, विश्वविख्यात आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर जी के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। यह आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, आध्यात्मिक जागरूकता एवं सनातन मूल्यों के विस्तार का सशक्त माध्यम सिद्ध होगा।

इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं को लगभग एक हजार वर्ष प्राचीन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के पावन अंश के दर्शन का दुर्लभ एवं सौभाग्यपूर्ण अवसर प्राप्त होगा। धार्मिक एवं आध्यात्मिक मान्यताओं के अनुसार यह दिव्य अंश प्राचीन काल से संत-महात्माओं एवं आचार्यों की परंपरागत देखरेख में श्रद्धा, सम्मान एवं विधिपूर्वक संरक्षित रहा है। यह पावन धरोहर युगों-युगों से शिवभक्ति, आध्यात्मिक चेतना एवं सनातन आस्था का उज्ज्वल प्रतीक मानी जाती रही है।

वर्तमान काल में इस दिव्य ज्योतिर्लिंग अंश को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ देश के विभिन्न प्रमुख धार्मिक एवं तीर्थ स्थलों पर प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे अधिकाधिक जनमानस इस पावन ऊर्जा का अनुभव कर आत्मिक शांति, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कर सके। इसी क्रम में यह ज्योतिर्लिंग अंश श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल में भी श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु पधार रहा है, जो जसोल क्षेत्र सहित समस्त शिव भक्तों के लिए अत्यंत गौरव एवं हर्ष का विषय है। आज सायं 4 बजे से सायं 6.30 बजे तक श्रद्धालुजन जसोलधाम मंदिर प्रांगण में पवित्र, शांत एवं सुव्यवस्थित वातावरण में इस दिव्य ज्योतिर्लिंग अंश के दर्शन कर सकेंगे। मंदिर संस्थान द्वारा दर्शन व्यवस्था को सहज, सुचारु एवं गरिमामय बनाए रखने हेतु समस्त आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं, जिससे प्रत्येक श्रद्धालु श्रद्धा, शांति एवं संतोष के साथ दर्शन लाभ प्राप्त कर सके। यह आयोजन सनातन संस्कृति की निरंतरता, आध्यात्मिक मूल्यों की सुदृढ़ता तथा सामाजिक समरसता का सजीव प्रतीक है। ऐसे पावन अवसर समाज में सकारात्मक चिंतन, आध्यात्मिक संतुलन एवं सांस्कृतिक चेतना को और अधिक सुदृढ़ करते हैं तथा नई पीढ़ी को अपनी आध्यात्मिक विरासत से आत्मीय रूप से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनते हैं। श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान, जसोल द्वारा समस्त क्षेत्रवासियों, श्रद्धालुओं, शिव भक्तों एवं धर्मप्रेमी जनों से सादर अनुरोध किया जाता है कि वे निर्धारित समय में पधारकर मंदिर की मर्यादा, शांति एवं पवित्र वातावरण का पालन करते हुए इस दिव्य, पावन एवं ऐतिहासिक अवसर पर दर्शन लाभ अवश्य प्राप्त करें।

भाकृअनुप एवं भारत सरकार के पशुपालन एवं डेरी विभाग के सयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

किसान के लिए पशुपालन विभाग का मजबूत सहयोग जरुरी-तोमर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली के संस्थान केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर मालपुरा टोंक राजस्थान में भारत सरकार के पशुपालन एवं डेरी विभाग के साथ सयुक्त तत्वावधान मे एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "विकसित भारत के लिए सशक्त भेड़पालन तकनिकीयों के माध्यम से देश मे ऊन, मांस, दुग्ध उत्पादन निरन्तरता" विषय पर आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यक्रम मे भारत सरकार के पशुपालन एवं डेरी विभाग के सेक्रेटरी नरेशपाल गंगवार, डॉ प्रवीण मलिक एनिमल हस्बैंडरी कमिश्नर, डॉ मुथुकुमारासामी बी सयुक्त सचिव पशुपालन विभाग भारत सरकार, रितेश चौहान सचिव पशुपालन विभाग हिमाचल प्रदेश, डॉ जी के गौड़ सहायक महानिदेशक, आईसीएआर एवं विभिन्न आईसीएआर संस्थानों के निदेशको और विभिन्न राज्यों के पशुपालन विभाग के निदेशक एवं अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर भेड़पालन से जुड़े व्यवसाय करने वाले स्टार्टअप, प्रगतिशील किसान, इंडस्ट्री पार्टनर एवं एनजीओ प्रतिनिधि भी भाग लेकर अपने अनुभव एवं विभिन्न भविष्यगामी पहलुयों पर भारत सरकार के पशुपालन विभाग, अविकानगर वैज्ञानिको की टीम एवं अन्य उपस्थित अथितियों से विस्तार से चर्चा की गई। अविकानगर संस्थान निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर द्वारा पधारे अथितियों को संस्थान के विभिन्न नस्ल के पशु जैसे भेड़ -बकरी एवं खरगोश के पशु प्रदर्शनी तथा उपलब्ध अन्य तकनिकीयों का अवलोकन कराया एवं साथ मे देशभर के किसान के लिए अविकानगर संस्थान द्वारा की जा रही गतिविधियों के बारे मे अवगत कराया। डॉ तोमर द्वारा किसान के लिए भविष्य मे आवश्यक बातों पर काम करने के लिए पशुपालन विभाग का मजबूत सहयोग एवं एक्टिव भागीदारी को जरुरी बताया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अथिति नरेश पाल गंगवार द्वारा भी विकसित भारत के लिए देश के हर पशु एवं उनके द्वारा मिलने वाले उत्पादों के उत्पादन एवं गुणवत्ता मे सुधार को जरुरी बताया। मुख्य अथिति ने बताया कि विकसित भारत के लिए छोटे पशुओ क़ी पैदावार से लेकर बेचने एवं मार्केट उत्पादों के बीच मजबूत सहयोग उनकी लगातार मांग को जरुरी बताया। संगोष्ठी कार्यक्रम मे देशभर से लगभग 200 प्रतिभागियों भेड़पालन के विभिन्न स्तर से जुड़े स्टार्टअप, प्रगतिशील किसान, अधिकारी आदि ने भाग लिया।

विकास रथ का आसोतरा में किया स्वागत

आसोतरा @ जागरूक जनता। विधान सभा क्षेत्र पचपदरा का विकास रथ ग्राम पंचायत आसोतरा आने पर ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया गया। पचपदरा भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश चोपड़ा ने रथ में लगी एलईडी के माध्यम से सभी लोगों को विकास कार्यों से अवगत करवाया और 2 वर्ष में हुए अभी कार्यों का जिक्र किया और बताया कि भजनलाल सरकार 2 वर्ष में जनता के हितो के लिए कई जन कल्याणकारी योजनाओं के घोषणा के कार्य धरातल पर भी उतारे है, वही गांव की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने ज्ञापन ओर सुझाव पेटी में आपने अपने अपने सुझाव भी डाले गए। विकास रथ के साथ पचपदरा भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश चोपड़ा, पंचायत समिति सदस्य जैराराम चौधरी, विकास अधिकारी दीपाराम चौधरी, आसोतरा प्रशासक दामोदर सिंह राजपुरोहित, ग्राम विकास अधिकारी राधाकृष्ण खारवाल सहित आमजन भी उपस्थिति रहे।

21 जनवरी तक आयोजित होगा नेत्र जाँच एवं ऑपरेशन शिविर

बालोतरा @ जागरूक जनता। महावीर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर बालोतरा में 21 दिसंबर से 21 जनवरी तक आयोजित निशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं ऑपरेशन शिविर का शुभारंभ विधायक अरुण चौधरी एवं दानदाता बाबूलाल सोनमल बालड द्वारा किया गया ।अस्पताल परिसर में फीता काटकर शुभारंभ करने के पश्चात आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि अरुण चौधरी ने खूबचंद महावीर चंद डागा चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा लंबे समय से दी जा रही चिकित्सा सेवाओं के सराहना की एवं भामाशाह गढ़ सिवाना निवासी बाबूलाल सोनमल जी बालड परिवार के द्वारा एक महीने के लिए निशुल्क सौजन्य प्रदान करने के लिए अभिनंदन किया एवं राजकीय नाहटा चिकित्सालय के संदर्भ में भी चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी दी । भामाशाह बाबूलाल सोनमल बालड ने कहा कि श्री शांतिलाल डागा ने अपने? ट्रस्ट हॉस्पिटल में एक महीने के लिए निशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन के लिए हमारे परिवार को लाभ प्रदान किया हम ट्रस्ट के प्रति आभारी होने के साथ ही बालोतरा क्षेत्र के लोगों से निवेदन भी करते हैं कि वह अधिक से अधिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाएं । कार्यक्रम संचालक समाजसेवी ओम बांठिया ने कहा कि डागा परिवार द्वारा ट्रस्ट के माध्यम से नियमित रूप से कई वर्षों से डागा गली चिकित्सालय संचालित करता आ रहा है,साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में भी भव्य हॉस्पिटल का निर्माण करके जो सुविधाएं प्रदान की जा रही है।

कार्यालय नगरपालिका तारानगर से शहरी समस्या समाधान शिविर-2025

पट्टे, स्वीकृति, नामांतरण, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन प्राप्त कर लिखे चेहरे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

तारानगर। स्वायत शासन विभाग के निर्देश पर पालिका परिसर में शहरी समस्या समाधान शहरी-2025 का आयोजन किया गया है। पालिका ईओ अजय प्रताप सिंह ने बताया कि शहरी में 04 कृषि भूमि नियमन के अन्तर्गत पट्टे, 02 स्टेट ग्रान्ट एक्ट के पट्टे जारी किया गया, 01 भवन निर्माण स्वीकृति, 04 नामान्तरण प्रमाण पत्र, 29 जन्म-मृत्यु प्रमाण व विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसी प्रकार शिविर के दौरान प्राप्त 11 कचरा संग्रहण की शिकायतों का निस्तारण, आवासीय एवं वाणिज्यिक क्षेत्र में 2.5 किमी. सड़क सफाई कार्य, 01 सड़क क्रोस मरम्मत व 05 नाली निर्माण कार्य करवाकर प्रार्थना पत्र का निस्तारण, 30 स्ट्रीट लाईटों को सही करवाया, ढीले तारो से संबंधी, विधुत कनेक्शन, अन्य समस्या का निस्तारण किया।

स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती के 99वां बलिदान दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

100 वनवासी महिलाएं सम्मानित

चतुर्वेद शतकम् यज्ञ में वनवासी महिलाओं ने आहुतियां की प्रदान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती के 99 वें बलिदान दिवस का आयोजन मंगलवार को आर्य समाज मंदिर आबूपर्वत में सम्पन्न हुआ।

आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय आबूपर्वत के अध्यक्ष स्वामी ओमानन्द सरस्वती ने बताया कि

आधुनिक युग में गुरुकुल परंपरा के उन्नायक, शुद्धि आंदोलन के प्रणेता, महर्षि दयानन्द सरस्वती के अन्य शिष्य अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज का 99 वां बलिदान दिवस श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ आर्य समाज मंदिर आबूपर्वत में पूज्य संवित् स्वामी सच्चिदानन्द गिरि जी महाराज (महंत- संत सरोवर आबू पर्वत) एवं पूज्य स्वामी नरसिंह दास जी महाराज (महंत- ज्ञानेश्वर हनुमान मंदिर आबूपर्वत) के पावन सान्निध्य में आयोजित किया गया।

देश, धर्म व संस्कृति के रक्षक स्वामी श्रद्धानन्द जी के पावन बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में विशाल वैदिक महायज्ञ, ओजस्वी भजन एवं विद्वानों के सारगर्भित प्रवचनों के साथ-साथ आबू पर्वत निवासी दलित, वनवासी 100 विधवा महिलाओं को आर्य परिवार प्रेरणा धर्मपत्नी दिनेश भार्गव एवं खुशबू धर्मपत्नी वीरेन्द्र भार्गव (निवासी रामगढ़ जैसलमेर) की ओर से अन्नदान (दाल, चावल, गुड़, चीनी, तेल, प्रत्येक को 5 किलो) दिया गया, आशाजी अशोक गोयल आबूपर्वत द्वारा 100 उनी कम्बल विधवाओं को प्रदान किए गये ।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन परीक्षाओं में सफल अग्रवाल प्रतिभागियों को वितरित करेगा ई सर्टिफिकेट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल ने बताया कि 1 जनवरी 2025 से 31 दिसम्बर 2025 की अवधि में घोषित अखिल भारतीय प्रतियोगी फाइनल परीक्षाओं के परिणाम के अधीन संघ लोक सेवा आयोग, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट सहित अन्य भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल सभी अग्रवाल प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में देश-विदेश के सभी अग्रवाल प्रतिभागियों को सम्मान प्रदान किया जाएगा, जिन्होंने कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं प्रतिभा के बल पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित कर समाज को गौरवान्वित किया है। मित्तल ने कहा कि इच्छुक प्रतिभागी आवेदन संस्था के केंद्रीय मुख्यालय, कोलकाता को व्हाट्सएप 93781 96678, ई-मेल aa.sammelan@gmail.com पर 10 जनवरी 2026 सायं 5 बजे तक भेज सकते हैं।

नगरपालिका ने किया प्लास्टिक बैन अवेयरनेस कार्यक्रम

तारानगर @ जागरूक जनता। वर्तमान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर पालिका तारानगर के द्वारा प्लास्टिक बैन अवेयरनेस एवं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर जन-जागरूकता कार्यक्रम की गतिविधिया शहर की सब्जीमंडी एवं विभिन्न स्थानों पर आयोजित कि गई जिसमे सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में नगर पालिका ईओ अजय प्रताप सिंह एवं नगर पालिका टीम द्वारा आमजन को जागरूक किया। साथ ही कपड़े के थेलों का सब्जीमंडी और छोटे विक्रेता दुकानदार में वितरण किया गया और लोगो से अपील की गई की प्लास्टिक - पॉलिथीन का इस्तेमाल न करें। साथ ही दुकानदारों व्यापारियों से भी सिंगल यूज प्लास्टिक की समझाइश की गई।

पुलिस अधीक्षक से सुरक्षा व उचित कार्रवाई के लिए लिखा पत्र

अवैध खनन उजागर करने पर पत्रकार को जान का खतरा

पिण्डवाड़ा क्षेत्र में खनन माफियाओ से जुड़ा मामला, परिवार सहित सुरक्षा की मांग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। जिले के पिण्डवाड़ा तहसील क्षेत्र में अवैध खनन को उजागर करना पत्रकार को भारी पड़ता नजर आ रहा है। ग्राम वाटेरा निवासी वरिष्ठ पत्रकार तुषार पुरोहित ने अवैध बजरी, पत्थर व मिट्टी खनन से जुड़े मामलों को लगातार सामने लाने के बाद अपनी जान-माल को खतरा बताते हुए पुलिस अधीक्षक सिरोही को लिखित में पत्र लिखकर स्वयं एवं अपने परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। पत्र में उन्होंने खनन माफिया द्वारा षड्यंत्र रचने, जानलेवा हमला करने और परिवार को डराने-धमकाने की आशंका जताई है।

खनन माफियाओ के विरुद्ध खबर प्रसारित करने के कारण खतरा

पत्रकार तुषार ने अपने प्रार्थना-पत्र में बताया कि वह लंबे समय से जनहित से जुड़े मुद्दों पर निष्पक्ष व तथ्यपरक पत्रकारिता कर रहे हैं। हाल के महीनों में उन्होंने पिण्डवाड़ा क्षेत्र में चल रहे अवैध खनन के मामलों को उजागर किया, जिससे प्रशासन हरकत में आया और संबंधित विभागों द्वारा जांच की प्रक्रिया शुरू की गई। जांच शुरू होते ही अवैध खनन में लिप्त माफिया तत्वों में असंतोष और आक्रोश बढ़ गया, जिसका सीधा असर उनकी सुरक्षा पर पड़ रहा है।

खनन परियोजना पर उठाई आवाज

पत्रकार द्वारा क्षेत्र में प्रस्तावित मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड की चूना पत्थर खनन परियोजना को लेकर भी तथ्यात्मक रिपोर्टिंग की गई। इस परियोजना को लेकर पर्यावरण, स्थानीय जनजीवन और संसाधनों पर पड़ने वाले प्रभावों को समाचारों के माध्यम से सामने रखा गया। बताया जा रहा है कि इन खबरों के बाद खनन से जुड़े प्रभावशाली लोगों की गतिविधियां बढ़ी हैं और पत्रकार पर दबाव बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

विश्वसनीय सूत्रों से धमकी की आशंका

प्रार्थना-पत्र में उल्लेख किया गया है कि विश्वसनीय माध्यमों से यह सूचना मिल रही है कि अवैध खनन से जुड़े कुछ प्रभावशाली लोग पत्रकार के विरुद्ध साजिश रच सकते हैं। इनमें प्राणघातक हमला, जान-माल की क्षति या परिवार को भयभीत करने जैसी घटनाएं शामिल हो सकती हैं, ताकि सच्चाई को दबाया जा सके। इस आशंका के चलते पत्रकार और उनका परिवार मानसिक तनाव में है।

प्रशासन और मीडिया में हलचल

मामले की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी, आईजी जोधपुर रेंज, जिला कलेक्टर, डीएसपी पिण्डवाड़ा सहित संबंधित अधिकारियों और समस्त प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को भी भेजी गई है। इस घटना के बाद पत्रकार संगठनों और मीडिया जगत में भी चिंता का माहौल है। कई पत्रकारों ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म — दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

क्या आप भी पेस्टिसाइड वाले मसाले से हैं परेशान ?

“ यदि मसाले लगे अनसेफ, IPM है हमेशा सेफ!”

SHYAM®

KITCHEN MASALE

First IPM Brand of INDIA

स्वाद और सेहत चाहिए ? तो श्याम IPM मसाले अपनाइए!

खाद्य जिन्स के नाम (मसाले)	पेस्टिसाइड का नाम	FSSAI के मानक	मसलो के लिए सामान्य उत्पाद (NON IPM)	श्याम धनी इंडस्ट्रीज लिमिटेड जयपुर के उत्पाद (IPM)
Garam masala Powder	Acetamiprid	0.1	0.181(F)	0.037(P)
	Dithiocarbamates	0.1	0.183(F)	0.025(P)
	Hexaconazole	0.1	0.107(F)	0.005(P)
	Myclobutanil	0.1	1.488(F)	0.005(P)
	Propineb	0.1	0.183(F)	0.025(P)
	Tebuconazole	0.1	0.113(F)	0.005(P)
	Fluopyram	0.1	0.027(P)	0.005(P)
Test Result Status			FAIL	PASS

खाद्य जिन्स के नाम (मसाले)	पेस्टिसाइड का नाम	FSSAI के मानक	मसलो के लिए सामान्य उत्पाद (NON IPM)	श्याम धनी इंडस्ट्रीज लिमिटेड जयपुर के उत्पाद (IPM)
Kashmiri Chilli Powder	Difenoconazole	0.1	0.2(F)	0.040(P)
	Ethion	0.1	1.383(F)	0.097(P)
	Flonicamid	0.1	0.313(F)	Pass
	Elithicarbonates	0.1	0.071(P)	Pass
Test Result Status			FAIL	PASS

खाद्य जिन्स के नाम (मसाले)	पेस्टिसाइड का नाम	FSSAI के मानक	मसलो के लिए सामान्य उत्पाद (NON IPM)	श्याम धनी इंडस्ट्रीज लिमिटेड जयपुर के उत्पाद (IPM)
Chhole (Chana) Masala Powder	Acetamiprid	0.1	0.157(F)	0.025(P)
	Azoxystrobin	0.1	0.144(F)	0.038(P)
	Chlorpyriphos	0.1	0.333(F)	0.005(P)
	Cypermethrin	0.1	0.183(F)	0.005(P)
	Difenoconazole	0.1	0.117(F)	0.005(P)
	Dithiocarbamates	0.1	0.222(F)	0.025(P)
	fluopyram	0.1	0.103(F)	0.005(P)
	Hexaconazole	0.1	0.103(F)	0.005(P)
	Myclobutanil	0.1	1.038(F)	0.005(P)
	Tebuconazole	0.1	0.209(F)	0.005(P)
	Tricylazole	0.1	0.141(F)	0.018(P)
Test Result Status			FAIL	PASS

Comparison in IPM & Pesticides Spices

साधारण उत्पाद के नुकसान	IPM उत्पाद के फायदे
साधारण उत्पाद अधिक सुरक्षित और शुद्ध नहीं हो सकते	IPM उत्पाद में कीटनाशकों का उपयोग निर्धारित मात्रा में उसके मानक स्तर के अनुरूप किया जाता है जिससे खाद्य उत्पाद सुरक्षित और शुद्ध बने रहते हैं
मानव शरीर के लिए हानिकारक हो सकते हैं	IPM वाले मसाले मानव स्वास्थ्य के लिए शुद्ध सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाले होते हैं
पर्यावरण की रक्षा के लिए खतरा है	पर्यावरण की रक्षा एवं सुरक्षा रहती है
कीटो में प्रतिरोधक क्षमता नहीं बढ़ती	कीटो को खत्म करने के लिए साधारण विधि नुकसान दायक

*Shyam Dhani Industries Limited is making an initial public offer of its equity shares and has filed a Red Herring Prospectus (“RHP”) with the NSE Emerge, the SME Platform of National Stock Exchange of India Limited (“NSE Emerge”), and will be filing the Prospectus with the Registrar of Companies. The RHP is available on the website of NSE Emerge at www.nseindia.com/, on the website of the Book Running Lead Manager (“BRLM”), i.e. Holani Consultants Private Limited at http://holaniconsultants.co.in, and on the website of the company at www.shyamspices.co.in/. Potential investors should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to such risk, see “Risk Factors” on page 32 of the RHP.”

Also Available at : DMart, SMART BAZAAR, RelianceSMART, METRO Cash & Carry, aadhaar, blinkit, SWIGGY instamart, Flipkart Grocery, zepto

IPM श्याम मसाले की C&F, Super Stockist, and distributers के लिए संपर्क करें

Vinay - 9116116052, 7081268038 Santosh - 8946982773

National Sales Head - Pradeep Pareek - pradeep@shyamspices.co.in

Sales Director - Vithal Agarwal - vithal@shyamspices.co.in

Mahendra Sharma - 7014123726 (EXPORT SALE)

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- **चेतेन्द्र कुमार मिश्रा**

परकोटे में निगम की पार्किंग को धत्ता बताते दुकानदार

जयपुर @ जागरूक जनता। परकोटे का नाम आते ही पार्किंग को लेकर सिरदर्द शुरू हो जाता है। नगर निगम की ओर से पार्किंग को लेकर की गई व्यवस्था को धत्ता बताते हुए बापू बाजार में दुकानदारों ने अपनी दुकान के आगे परमानेंट पार्किंग कर रखी है। ऐसे में ग्राहक वाहन को कहां खड़ा करें। बापू बाजार में दुकान नम्बर 38 के आगे बाईक खड़ी करके जगह को रोक रखा है। ऐसे में अन्य कोई भी वहां अपना वाहन पार्क नहीं कर सकता। ग्राहक दिलीप दीक्षित द्वारा कारण पूछने पर बताया गया यह हमारी निजी पार्किंग है।

सावा में 10वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी हेतु निःशुल्क मार्गदर्शन शिविर आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़/सावा। असरा वेलफेयर सोसायटी एवं एम्स सोसायटी ऑफ सावा के संयुक्त तत्वावधान में 10वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी को लेकर एक मार्गदर्शन शिविर का आयोजन मिल्लत पब्लिक सैकंडरी स्कूल, सावा में किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा की बेहतर तैयारी के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम में असरा वेलफेयर सोसायटी चित्तौड़गढ़ के सरपरस्त एम.एम. शेख, सेवानिवृत्त प्रिंसिपल संजिदा शेख, अध्यक्ष मुहम्मद सिद्दीक नुरी, एम्स सोसायटी के अध्यक्ष सिराजुद्दीन शेख, अमजद खान, अब्दुल गफ्फार खान, हाजी लतीफ शेख, सईद अनवर शेख, इलियास खान, यावमुल हक़ खान, तालीम मिल्लत सोसायटी के सचिव शराफ़त मोहम्मद शेख, मिल्लत पब्लिक सैकंडरी स्कूल की प्रिंसिपल शमरोज बेगम, मंजूर खान सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। शिविर के दौरान सावा, कन्नौज एवं चिकसी क्षेत्र के कक्षा 10 के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क गाइड वितरित की गई। अमजद खान ने बोर्ड परीक्षा में प्रश्नपत्र हल करने के उपयोगी टिप्स दिए। वहीं एम.एम. शेख, संजिदा शेख, मुहम्मद सिद्दीक नुरी, सिराजुद्दीन शेख एवं अब्दुल गफ्फार खान ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायक संबोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद इसराइल खान ने किया। आयोजकों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनों को आगे भी जारी रखने की बात कही।

हरियालो राजस्थान पर्यावरण कॉन्क्लेव

प्रकृति के प्रति सम्मान हमारी सरकार की नीतियों और अभियानों की प्रेरणा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रकृति के सम्मान की भारतीय संस्कृति की परंपराओं को राज्य सरकार ने अपनी नीतियों एवं अभियानों का प्रेरणास्रोत बनाया है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि पर्यावरण संरक्षण का व्यक्तिगत संकल्प लेते हुए वे राजस्थान को विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अग्रणी बनाएं ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य मिले। शर्मा हरियालो राजस्थान पर्यावरण कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारे देश और प्रदेश की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। हम नदियों, पर्वतों, वृक्षों, धरती, सूर्य को पूजते हैं क्योंकि जीवन की निरंतरता प्रकृति के संरक्षण पर ही निर्भर है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में 'खेजड़ली का बलिदान' पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा उदाहरण है।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान बना आंदोलन

कर्मभूमि से मातृभूमि की जल संचयन में अहम भूमिका- मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण और जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों के दृष्टिगत राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाया है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के माध्यम से पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और जलाशयों की स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ा गया है। वहीं, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को जोड़ते हुए 14 हजार से अधिक ग्राउंड वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स का निर्माण करवाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत दो वर्ष में लगभग बीस करोड़ पौधे लगाए गए हैं।

क्लीन और ग्रीन टेक्नोलॉजी को प्रोत्साहित करने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

शर्मा ने कहा कि ग्रीन बजट जलवायु परिवर्तन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। क्लाइमेट एक्शन प्लान-2030 और क्लीन और ग्रीन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए प्रदेश में सतत् वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों द्वारा मोबाइल वैन के माध्यम से रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है।

सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सर्कुलर इकोनॉमी इंसेंटिव स्कीम-2025 लेकर आई है। प्रदेश में ई-वेस्ट, प्लास्टिक वेस्ट और बैटरी वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण के लिए अधिकृत इकाइयां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जन-जागरूकता और रिवर्स वेंडिंग मशीनों के माध्यम से प्लास्टिक संग्रह को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया जा रहा है। हम प्रदेश को ग्रीन इनोवेशन हब के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं।

क्लीन और ग्रीन एनर्जी में राजस्थान के बढ़ते कदम

शर्मा ने कहा कि क्लीन और ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में राजस्थान तेजी से बढ़ रहा है। आज हमारा प्रदेश 22 हजार 860 मेगावाट की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता के साथ देश में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत 2 हजार 272 मेगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सौर ऊर्जा शक्ति का ही परिणाम है कि आज राजस्थान के 22 जिलों के किसानों को दिन के समय में ही बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। इससे कोयला आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भरता घट रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 2 वर्ष के कार्यकाल में बिजली और पानी की उपलब्धता और महिला, युवा, किसान और मजदूर के कल्याण के लिए एक रोडमैप बनाया हैं। रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही

सदाचार कमेटी को मिले अहम वीडियो

कमीशन मामले में बढ़ सकती है विधायकों की मुश्किलें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विधायक निधि कोष में से काम का लेटर जारी करने और उसके बदले कमीशन के कथित मामले में सदाचार कमेटी को महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले हैं। विधानसभा में सदाचार कमेटी के सामने दूसरे पक्ष ने अपनी तरफ से तथ्य और दस्तावेज दिए हैं। हालांकि, 19 दिसंबर को विधायकों ने अपनी तरफ से तथ्य और पक्ष रखने के लिए कुछ समय मांगा था। इस बीच सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करने वाले पक्ष की तरफ से कमेटी के पास तथ्य आना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वीडियो सदाचार कमेटी को सौंपा

दरअसल, 3 जनप्रतिनिधियों के कथित स्टिंग ऑपरेशन मामले के वीडियो सोशल मीडिया पर तो वायरल हुए थे, लेकिन सदाचार कमेटी के पास आधिकारिक रूप से कोई रिकॉर्ड नहीं था। सूत्रों के मुताबिक कुछ लोग सदाचार कमेटी के सामने पेश हुए और उन्होंने अपनी तरफ से वीडियो बनाने की बात कही। इस मामले में दूसरे पक्ष की तरफ से तैयार किया गया, वीडियो सदाचार कमेटी को सौंपा गया है। बताया जा रहा है कि कमेटी को वायरल वीडियो के साथ ही मूल वीडियो भी सौंपा गया।

वीडियो में कितने कट, इसकी जांच होगी

FSL जांच के बाद यह साफ हो सकेगा कि इस मामले में जारी किए गए वीडियो में कितने कट लगाए हैं, और अगर इसे एडिट किया है तो कितना? साथ ही यह भी देखा जाएगा कि मूल वीडियो में कौन-कौन चेहरे दिख रहे हैं? अभी तक कमेटी को जो दस्तावेज मिले, उसमें प्रारंभिक रूप से दो विधायकों की सीधी भूमिका मानी जा रही है।

एक विधायक के साक्ष्य कमेटी को नहीं मिले

हालांकि, एक विधायक की तरफ से पैसे लेने के साक्ष्य ना कमेटी को मिले, ना वीडियो में दिख रहे हैं। इसके साथ ही कमेटी दूसरे तथ्यों की भी जांच कर रही है। जिनमें कुछ अन्य विधायकों के वीडियो होने की बात भी आई थी. ऐसे में मामले की गंभीरता को देखते हुए कमेटी पूरी सजगता से काम कर रही है, लेकिन माना जा रहा है कि एफएसएल जांच में मूल वीडियो और वायरल वीडियो को देखने के बाद जो अंतिम रिपोर्ट तैयार होगी, उसके बाद ही पूरे मामले में स्थिति साफ हो सकेगी. संभायतया इस जांच से यह पता लग सकेगा कि किस-किस ने विधायक निधि से काम के लिए जारी करने के बदले कमीशन लिया और किसने नहीं?

ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा देने हेतु बकरी पालन पर 07 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

झालावाड़ @ जागरूक जनता। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. संतोष झाझड़िया ने बताया कि केन्द्र द्वारा जनजातीय उपयोजनान्तर्गत दिनांक 15-21 दिसम्बर, 2025 तक "व्यावसायिक बकरी पालन द्वारा उद्यमिता विकास" पर 07 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में जनजातीय क्षेत्र के 25 कृषकों एवं ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को आधुनिक युग में आत्मनिर्भरता के लिए बकरी पालन के व्यवसायिक अवसरों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की एवं युवाओं को बकरी इकाई स्थापित करने एवं अपने क्षेत्र में मार्केटिंग हब बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। केन्द्र के पशुपालन वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण प्रभारी, डॉ. हितेश मुवाल ने प्रतिभागियों को बकरी पालन के उन्नत नस्ल की बकरी पालन के लिए प्रोत्साहित किया एवं बकरियों में आयु के अनुसार चारा एवं दाना प्रबंधन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। व्यवसायिक बकरी पालन के लिए बकरियों में समय पर टीकाकरण एवं बकरियों में होने वाली विभिन्न प्रकार की बीमारियों का उचित प्रबंधन के बारे में बताया। नस्ल सुधार के लिए केन्द्र पर उपस्थित बीजू बकरे (सिरोही नस्ल) द्वारा बीज डालने की सुविधा के बारे में बताया तथा कृत्रिम गर्भाधान की प्रायोगिक जानकारी दी। सर्दियों में बकरियों के छोटे बच्चों एवं ग्याभिन बकरियों के प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

गौमाता सेवक समिति परिवार ने गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने का दिलाया अखण्ड संकल्प

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गौमाता सेवक समिति परिवार एवं सभी गौसेवकों गौभक्तों ने पौष मास कृष्ण पक्ष अमावस्या पर 55 वां गौसेवा महोत्सव श्रीराम कृष्ण गोधाम पीपुल फॉर अर्थ वेलफेयर सोसायटी (गौशाला) आनंद विहार काकरोदा जयसिंहपुरा जयपुर में अपार हर्षोल्लास एवं भाव-विभोर होकर मनाया गया। शुरुआत में गोपूत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र ने सूर्य देव की साक्षी में भगवान् श्रीगणेश श्रीराम दरबार, राधाकृष्ण शिव परिवार, सर्व पितृ तर्पण अर्पण पूजन एवं गोमाता पूजन के साथ सामुहिक हनुमान चालीसा का पाठ एवं पर्यावरण संरक्षण प्रदुषण मुक्त जीवन अखंड संकल्पित अनुष्ठान किया एवं दिव्य गोमाता कृपा आरती के बाद श्रीराम कृष्ण मंदिर गोधाम के संचालकों का सम्मान दुपट्टा एवं गौधाम के नियमित गौसेवकों को दुपट्टा गर्म ऊनी कम्बल दक्षिणा प्रदान कर अभिनंदन सम्मान किया गया। इस अवसर पर गोपूत्र पंडित मानस संजय मिश्र एवं कमल प्रजापत ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गोसेवकों एवं श्रद्धालुओं को गोमाता को राष्ट्रमाता देश को हिन्दू राष्ट्र एवं सनातन धर्म बोर्ड गठन के लिए संकल्प दिलाकर शासन प्रशासन से गौरक्षा की मांग की। इस अवसर पर गोपुत्र पंडित मानस संजय मिश्र ने उपस्थित सभी गो सेवकों को पर्यावरण संरक्षण प्रदुषण मुक्त जीवन का अखण्ड संकल्प दिलाया साथ ही गोचर ओरण भूमि बचाओ समिति के ललीत जैन ने गोचर ओरण भूमि बचाने के लिए सरकार से आव्हान किया एवं गोभक्त मोदीजी ने गोमाता को राज्यमाता घोषित करने की राज्य सरकार से मांग की।

गोमाता सेवक समिति परिवार की तरफ से श्रीराम कृष्ण मंदिर गोधाम पीपुल फॉर अर्थ वेलफेयर सोसायटी गौशाला को 21 मण सुखा चारा, 501 पुली हरा चारा, 5 गुड़ के कार्टून, चार तगारी दो फावड़े, 5 पेड़ वृक्षारोपण, पंछीयो के लिए 11 दाना पात्र एवं परिण्डे, कीड़ी नगरा एवं गोधाम के विकास के लिए 11 हजार रूपए का चैक गोधाम संचालक डॉ सुनील अग्रवाल को प्रदान कर अन्य सेवाएं प्रदान की समापन पर सामुहिक प्रसादी ग्रहण कर उपस्थित सभी गोसेवकों एवं श्रद्धालुओं का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर रामलाल रामचंद्र, विनोद, महेन्द्र प्रजापत, महेश, दिनेश अग्रवाल, सुरेश, अर्जुन सोनी एवं समस्त आनंद विहार काकरोदा जयसिंहपुरा निवासी गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बार-बार तबादले से आहत डीजे ने खटखटाया एससी का दरवाजा

राजस्थान हाईकोर्ट तबादले पर करें सहानुभूतिपूर्वक पुनर्विचार-सुप्रीम कोर्ट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। बार-बार किए जा रहे तबादले के खिलाफ वरिष्ठ जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश से इस मामले पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने को कहा है। साथ ही कहा कि प्रशासनिक मामलों से संबंधित हाईकोर्ट न्यायाधीशों की कमेटी से परामर्श कर निर्णय किया जाए। अच्छा होगा यदि दो सप्ताह में निर्णय कर लिया जाए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची एवं न्यायाधीश विपुल एम पंचोली की पीठ ने दिनेश कुमार गुप्ता की याचिका को निस्तारित करते हुए यह आदेश दिया। गुप्ता का हाल ही ब्यावर से जालौर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर तबादला किया गया। याचिका में इसे चुनौती देते हुए कहा कि 10 माह बाद सेवानिवृत्ति होने वाली है। याचिका में गुप्ता ने अपने अब तक के उत्कृष्ट सेवा रिकॉर्ड और पूर्व पदस्थापनों का उल्लेख किया, वहीं बार-बार तबादले के कारण होने वाली समस्याओं का जिक्र किया।

साथ ही कहा कि स्वास्थ्य समस्या के चलते जयपुर में इलाज की आवश्यकता है। ऐसे में जयपुर के आसपास पदस्थापित किए जाने का आग्रह किया गया। याचिका में बताया कि तबादले के संबंध में तीन दिसंबर को हाईकोर्ट प्रशासन को अपना अभ्यावेदन दिया, लेकिन उस पर कोई निर्णय नहीं होने पर यह याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा कि निश्चित तौर पर होनहार न्यायिक अधिकारी होने व उत्कृष्ट सेवा रिकॉर्ड के कारण याचिकाकर्ता को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव तथा जयपुर विकास प्राधिकरण में लॉ डायरेक्टर के रूप में पदस्थापित किया, किसी भी रूप में इन पदों पर नियुक्ति दंडात्मक नहीं मानी जा सकती। कोर्ट ने हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश से याचिका में बताए तथ्यों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का निर्देश देते हुए मामले को निस्तारित कर दिया।

इन मामलों को लेकर चर्चा में रहे

बॉम्बे में आतंकी हमले के बाद केंद्रीय मंत्री को नोटिस भेजने के लिए राष्ट्रपति से अनुमति मांगी, वाणिज्यिक न्यायालय जज रहते दो वरिष्ठ आइएएस अधिकारियों को अवमानना मामले में जेल भेजने का आदेश दिया, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट मामले में सांगानेर के कारखानों के खिलाफ आदेश पारित किया। बजरी चोरी व बीमा कंपनियों की मनमानी पर सख्ती दिखाई, शराब घोटाले में मुख्य सचिव को जांच का आदेश दिया, जेडीए में निदेशक (विधि) रहते नियम विरुद्ध आवासीय योजना विकसित होने सहित जेडीए के कई विधि विरुद्ध कार्यों को उजागर किया।

जागरूक खबरें

धौलपुर में कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी झूठी निकली

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। राजस्थान में धौलपुर में मंगलवार को कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल के मिलने के बाद कोई भी विस्फोटक, अवांछनीय या आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिलने के बाद पुलिस एवं प्रशासन ने राहत की सांस ली। पुलिस सूत्रों के मुताबिक बम का ईमेल मिलने के बाद कलेक्ट्रेट परिसर की सुरक्षा उपकरणों से बारीकी से जांच की गई, लेकिन कोई भी विस्फोटक, अवांछनीय या आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली है। ई-मेल को लेकर थाना कोतवाली में मामला दर्ज किया गया है।

अरावली के एक भी पत्थर का नहीं होने दिया जाएगा नुकसान-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा और कैलाश वर्मा ने कांग्रेसी नेता डोटासरा, जूली के द्वारा फैलाए जा रहे झूठ और भ्रम के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया दी। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की आदत है तुष्टीकरण की राजनीति करते हुए जनता में झूठ और भ्रम फैलाया जाए। इसी आदत से लाचार डोटासरा और इनके नेताओं ने पहले सीएए कानून को लेकर जनता में भ्रम फैलाया, फिर एसआईआर को लेकर जनता को गुमराह किया और अब अरावली के खनन को लेकर जनता को गुमराह कर रहे है। मैं भाजपा की भजनलाल सरकार की ओर से प्रदेशवासियों को यह आश्वस्त करता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अरावली के एक भी पत्थर का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। भाजपा सरकार और केंद्र सरकार की मंशा स्पष्ट है कि अरावली सरंक्षित क्षेत्र को परिभाषित किया जाए और अवैध खनन को पूर्णरूप से प्रतिबंधित किया जाए। इस परिभाषा के आधार जब तक कोई प्लान नहीं बन जाता, तब तक किसी प्रकार का खनन पट्टा जारी नहीं किया जाएगा।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने 2002 में अरावली को परिभाषित किया था, उस दौरान ही खनन के सर्वोधिक पट्टे जारी किए गए थे, इसी तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 100 मीटर वाला नियम तय किया था। कांग्रेस यह भी कहती है कि हमने तो पाप किया है, स्वीकार भी कर रही है, लेकिन भाजपा सरकार को लेकर जनता को गुमराह भी करती है। कांग्रेस सिर्फ कल्पना के आधार पर अवैध खनन का आरोप लगा रही है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार ने दो साल में अवैध खनन के खिलाफ जमकर कार्रवाई को अंजाम दिया है। भाजपा सरकार ने दो साल में 20526 प्रकरण दर्ज किए , दो साल में 211.26 करोड रुपए की जुर्माना राशि वसूल की गई, दो साल में 2228 एफआईआर दर्ज की गई, दो साल में 1175 लोगों की गिरफ्तारी की गई, दो साल में 19744 वाहन व मशीनरी जब्त की गई। भाजपा सरकार ने दो साल में अरावली के क्षेत्र में अवैध खनन को रोकने के लिए 10966 प्रकरण दर्ज किए, दो साल में 136.78 करोड़ रुपए वसूल किए गए, 1002 एफआईआर दर्ज की गई, 10616 वाहन जब्त किए गए और 300 लोगों की गिरफ्तारी की गई।

भाजपा प्रवक्ता कैलाश वर्मा ने कहा कि अरावली हिल्स की परिभाषा क्या है, इन कांग्रेसी नेताओं को पता तक नहीं है। जो मामला कोर्ट में है, वन एवं पर्यावरण मंत्री ने स्पष्ट कर दिया, प्रदेश के मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि अरावली के एक भी पत्थर का नुकसान नहीं होगा। इसके बावजूद कांग्रेसी नेता जनता में झूठ, भ्रम फैला रहे है। कांग्रेसी नेता अरावली के नियम को पढ़ती नहीं है, सिर्फ झूठ पर राजनीति करने के लिए मुद्दा बनाया जा रहा है, राजनीति में सुर्खियों में रहने के लिए लोगों को भ्रमित किया जा रहा है। प्रदेश की जनता इनके हथकंडे पहचान चुकी है।

स्वदेशी चेतना के साथ चित्तौड़गढ़ में राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव का भव्य शुभारंभ

स्वदेशी से ही आत्मनिर्भर भारत का मार्ग प्रशस्त - राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/चित्तौड़गढ़। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जब भारतीयों का स्वाभिमान बढ़ेगा, तब स्वदेशी भावना स्वतः सशक्त होगी। स्वदेशी से ही आत्मनिर्भर भारत का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि वीरों, भामाशाहों और स्वाभिमान की भूमि मेवाड़ से स्वदेशी महोत्सव के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का संदेश जाना अत्यंत प्रेरक पहल है। राज्यपाल ने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आह्वान करते हुए उपस्थित जनसमूह को स्वदेशी का संकल्प भी दिलाया।

मेवाड़ की शौर्यभूमि चित्तौड़गढ़ में मंगलवार को राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव का भव्य शुभारंभ स्वदेशी चेतना, सांस्कृतिक गौरव और आत्मनिर्भर भारत के संदेश के साथ हुआ। सुभाष चौक से इंदिरा गांधी स्टेडियम तक निकली रंग-बिरंगी भव्य शोभायात्रा ने पूरे शहर को स्वदेशी के रंग में रंग दिया, वहीं उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल बागडे ने कहा कि हम स्वदेशी के माध्यम से विदेशी वस्तुओं के गुणवत्तापूर्ण, सस्ते और टिकाऊ विकल्प प्रस्तुत कर विदेशी कंपनियों के वर्चस्व को समाप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए हमें अपने गौरवशाली इतिहास को स्मरण रखना होगा। रावलपिंडी और तक्षशिला हमारे ही इतिहास की गौरवशाली विरासत हैं तथा रावलपिंडी का नाम चित्तौड़गढ़ के महानायक बप्पा रावल के नाम पर है।

श्री बागडे ने कहा कि भारत आज विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है। एक समय था जब देश को गेहूं आयात करना पड़ता था, लेकिन आज 140 करोड़ जनता का पेट भरने के बाद भी हम अनाज का निर्यात कर पा रहे हैं, यह स्वदेशी की ताकत का प्रमाण है। भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना भी स्वदेशी अवधारणा का ही परिणाम है। 1905 में प्रारंभ हुए स्वदेशी आंदोलन के 120 वर्ष पूर्ण होने के बाद भी हमारा पूर्ण स्वदेशी न बन पाना हम सभी के लिए चिंतन का विषय है।

एस.के.एन. कृषि महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु ओरिएंटेशन (अभिनंदन) कार्यक्रम आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में नवप्रवेशित स्नातक (UG) विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन (अभिनंदन) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफ़ेसर (डॉ.) पुष्पेन्द्र सिंह चौहान रहे।

अपने प्रेरक संबोधन में डॉ. चौहान ने कहा कि विद्यालय से महाविद्यालय में प्रवेश के साथ ही विद्यार्थियों की जिम्मेदारी स्वयं की हो जाती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर पर जहां माता-पिता की भी जिम्मेदारी रहती है, वहीं महाविद्यालय जीवन में विद्यार्थियों को स्वयं अनुशासन में रहकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कॉलेज जीवन में अनुशासन, समय प्रबंधन एवं आत्मनियंत्रण के माध्यम से ही उज्ज्वल भविष्य का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं संकायाध्यक्ष डॉ. डी. के. गोठवाल, निदेशक छात्र कल्याण डॉ. के. सी. शर्मा, डॉ. एल.आर. यादव प्रभारी यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी, सांस्कृतिक सचिव डॉ. ओ. पी. गढ़वाल ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम में सहायक निदेशक छात्र कल्याण डॉ. गजानंद जाट, डॉ. प्रतिभा मनोहर (प्रभारी छात्रवृत्ति), डॉ. पी. एस. शेखावत, मुख्य छात्रावास अधीक्षक, एनसीसी अधिकारी डॉ. बी. एल. दुधवाल, खेल प्रभारी डॉ. नरेन्द्र, पुस्तकालय प्रभारी डॉ. चरतलाल बैरवा के अलावा 135 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम संचालन डॉ. हीना सहीवाला द्वारा किया गया।

सिद्धपीठ जय बाबा बालाजी धाम पर श्रीरामलला स्थापना पाटोत्सव महामहोत्सव 31 दिसंबर को

जयपुर @ जागरूक जनता। शिव नगर निवारु पुलीया झोटवाड़ा जयपुर स्थित सिद्ध पीठ जय बाबा बालाजी धाम पर श्रीरामलला मंदिर स्थापना पाटोत्सव महामहोत्सव अपार हर्षोल्लास एवं भाव-विभोर होकर 31 दिसंबर 2025 बुधवार को संत शिरोमणि श्री छगनदास महाराज (घोटे वाले बाबा) के सानिध्य में मनाया जायेगा। सिद्ध पीठ जय बाबा बालाजी धाम के युवाचार्य दीपेश महाराज ने बताया निःस्वार्थ भाव से धाम पर आने वाले सभी भक्तों के असाध्य कष्टों का निवारण मंगलवार शनिवार एवं रविवार को बालाजी के दिव्य दरबार में होता है। पंडित मानस संजय मिश्र ने बताया कि जय बाबा बालाजी धाम पर तिथि अनुसार 31 दिसंबर बुधवार को श्रीरामलला स्थापना पाटोत्सव महामहोत्सव के तहत विशाल श्रीरामलला नगर भ्रमण शोभायात्रा प्रातः 9.15 बजे रवाना होगी साथ ही अद्भुत दिव्य विलक्षण श्रीबालाजी महाराज कृपा आशिर्वाद दरबार दोपहर 2:15 बजे से संत शिरोमणि छगनदास महाराज घोटे वाले बाबा द्वारा प्रदान किया जायेगा एवं सायंकाल 6:15 बजे से पौषबड़ा महाप्रसाद वितरण तथा रात्रि 9:15 बजे से भजन संध्या का आयोजन होगा।

सर्दी बढ़ने पर हनुमान जी ओढ़ रहें मखमली शॉल और रजाई

जयपुर @ जागरूक जनता। राजधानी के नाहरी का नाका शास्त्री नगर श्री हनुमान कुंज स्थित चमत्कारेश्वर वीर हनुमान मंदिर प्रांगण में हनुमान जी को इन दिनों गर्म मखमली पोषाक धारण करवायी जा रही है। भोग सेवा पद्धति में भी परिवर्तन किया गया है। भगवान को हल्के गुनगुने जल से स्नान करवाया जा रहा है। मंदिर महंत सुरेश पारीक ने बताया की सर्दियों में भगवान को गर्म पोशाक के साथ विशेष मखमली शॉल भी धारण करवाया जा रहा है साथ ही गजक, मूंगफली, दूध, रेवड़ी, तिल, बाजरा से निर्मित विभिन्न व्यंजनों का भोग लगाया जा रहा है। शयन झांकी में भगवान को रजाई ओढ़ाई जा रही है। मंदिर प्रवक्ता पुजारी धीरज कुमार पारीक ने बताया कि हमेशा शरद पूर्णिमा के बाद गुलाबी सर्दी से ही भगवान की सेवा पद्धति में बदलाव हो जाता है लेकिन इस बार सर्दी के देरी से प्रारम्भ होने के कारण मौसम के बदलाव के अनुसार निर्णय किया जा रहा है। यदि ठंड अधिक होती है तो बजरंग बली के लिए अंगीठी व हिटर की भी व्यवस्था की जाती है।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास पुस्तिका का विमोचन समारोह

सुशासन, विकास और विश्वास की जीवंत झलक है जिला विकास पुस्तिका-पटेल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जयपुर जिले की जिला विकास पुस्तिका के विमोचन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, जयपुर द्वारा प्रकाशित जिला विकास पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि "बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान" केवल एक नारा नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, सुशासन की सोच और जनकल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। यह पुस्तिका सरकार की विकास यात्रा, उपलब्धियों और जनहितकारी निर्णयों का समग्र दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि जयपुर जिला प्रशासन ने भी सुशासन की दिशा में नवाचारों के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य किए हैं। रास्ता खोलो अभियान, नरेगा आखर अभियान और बिटिया गौरव पेटी अभियान जैसे अभिनव प्रयासों ने आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ये पहलें प्रशासन की संवेदनशीलता, जवाबदेही और जन-भागीदारी की भावना को दर्शाती हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश मूंड, उपनिदेशक जनसंपर्क हेमंत सिंह, सहायक जनसंपर्क अधिकारी नरेन्द्र सिंह शेखावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तिरूपति-हिसार-तिरूपति साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा 31 से

जयपुर @ जागरूक जनता। रेलवे द्वारा यात्रियो की सुविधा हेतु तिरूपति-हिसार-तिरूपति साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 07717, तिरूपति-हिसार साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा 31.12.25 से 11.02.26 तक (07 ट्रिप) तिरूपति से प्रत्येक बुधवार को 23.45 बजे रवाना होकर शनिवार को 14.05 बजे हिसार पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 07718, हिसार-तिरूपति साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा 04.01.26 से 15.02.26 तक (07 ट्रिप) हिसार से प्रत्येक रविवार को 23.15 बजे रवाना होकर बुधवार को 11.30 बजे तिरूपति पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में रेणिगुंटा, राजमपेटा, कड़पा, यर्रगुंटला, ताडिपत्रि, गुत्ती, गुंटकल, डोन, कर्नूल सिटी, गडवाल, महबूबनगर, जडचर्ला, काचीगुडा, मलकाजगिरी, मेडचल, कामारेड्डी, निज़ामाबाद, बसर, धर्माबाद, मुदखेड, नांदेड, पूर्णा, बसमत, हिंगोली, वाशिम, अकोला, शेहगांव, मलकापुर, भुसावल, जलगांव, धरणगांव, अमलनेर, नंदुरबार, उधना, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौडगढ, भीलवाडा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ, फुलेरा, रींगस, सीकर, नवलगढ, झुंझुनूं, चिडावा, लोहारू व सादुलपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

हजारों महिलाओं की सहभागिता से होगा तुलसी नगर भ्रमण, पोस्टर जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में 25 दिसंबर गुरुवार को सीताराम जी के मंदिर, गढ़ परिसर से आयोजित होने वाले द्वितीय तुलसी नगर भ्रमण कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन पूर्व विधायक रामलाल शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में हजारों महिलाएं अपने साथ तुलसी का पौधा लेकर नगर भ्रमण में भाग लेंगी। शाही लवाजमे के साथ तुलसी मैया की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, बनवारीलाल शर्मा, सी एम सैनी, पं. अरुण कुमार शर्मा, पं. ईश्वरदास शर्मा, ओमप्रकाश रीडर, डॉ. बंशीधर शर्मा, एडवोकेट हेमेन्द्र शर्मा, राधेश्याम शर्मा, डॉ. पवन कुमार तिवाड़ी, नरेंद्र सोलंकी, नारायणलाल शर्मा, नरेंद्र शर्मा, मुकेश लालानी, समाजसेवी कैलाश तिवाड़ी, हजारीलाल शर्मा, व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन सैनी, राजस्थान पेंशन मंच अध्यक्ष राधेश्याम यादव, रामपाल कुमावत, रामनिवास शर्मा, मोहनलाल सैनी, भेरूलाल यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खाद संकट से जूझे किसान, घंटों लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ लौटे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़ @ इलियास मोहम्मद शेख। जिले में खाद की भारी किल्लत के चलते किसानों की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। खाद लेने के लिए किसान सुबह से ही वितरण केंद्रों पर लंबी कतारों में खड़े रहे, लेकिन अव्यवस्थाओं के कारण सैकड़ों किसानों को घंटों इंतज़ार के बाद भी बिना खाद लौटना पड़ा। कई किसानों को मात्र एक बोरी खाद दी गई, वह भी नैनो खाद की अनिवार्य टैगिंग के साथ। इसके चलते शहर के उपनगरीय क्षेत्र सेती में महिलाओं ने रास्ता रोक जाम लगा दिया। किसान प्रतिनिधि राहुल चौधरी चिकसी ने बताया कि किसानों की सूचना पर जब वे स्वयं खाद वितरण केंद्र पहुंचे तो वहां की स्थिति बेहद चिंताजनक पाई गई। 30-40 किलोमीटर दूर से आए किसान, जिनमें महिलाएं और दिव्यांग किसान भी शामिल थे, टोकन लेकर घंटों तक लाइन में खड़े रहे। इसके बावजूद दुकानदार खाद की वास्तविक उपलब्धता को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी देने को तैयार नहीं था। न तो यह बताया गया कि कितनी खाद आई है और न ही यह कि कितने किसानों को वितरण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कई किसान शाम तक टोकन हाथ में लिए बैठे रहे, जबकि कई अन्य यह सुनकर पूरे शहर में दुकान-दर-दुकान भटकते रहे कि कहीं और खाद मिल रही है। अंततः अधिकांश किसानों को निराश होकर खाली हाथ घर लौटना पड़ा। राहुल चौधरी ने आरोप लगाया कि ज़मीनी हालात अत्यंत गंभीर होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी आपूर्ति को पर्याप्त बताकर अपनी जिम्मेदारी से बचते नजर आ रहे हैं, जिससे किसानों में गहरी निराशा और आक्रोश है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि कागज़ों में नहीं, बल्कि ज़मीनी स्तर पर पहुंचकर किसानों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया जाए। खाद वितरण व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए और किसानों को सम्मानजनक, पारदर्शी एवं सुचारु तरीके से पर्याप्त खाद उपलब्ध कराई जाए।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय मे गर्भ संस्कार विषयक सर्टिफिकेट कोर्स का हुआ समापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलगुरु प्रोफेसर वैद्य गोविन्द सहाय शुक्ल के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद के स्नातकोत्तर स्त्री रोग - प्रसूति तंत्र विभाग तथा संवर्धिनी न्यास, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित , गर्भ संस्कार विषयक सर्टिफिकेट कोर्स के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों का प्रैक्टिकल असेसमेंट हुआ जिसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके पश्चात समापन समारोह का आयोजन किया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के डीन एकेडेमिक डॉ.महेन्द्र कुमार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. चन्दन सिंह द्वारा की गई। कार्यक्रम में क्रिया शारीर विभागध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, संवर्धिनी न्यास की डॉ. श्वेता डांगरे, माधुरी सदाशिव मराठे,स्टेट कन्वेयर दीपाली सोनी, स्नातकोत्तर स्त्री रोग - प्रसूति तंत्र विभाग की विभागाध्यक्ष, उपप्राचार्य एवं कोर्स कॉर्डिनेटर प्रो. डॉ. ए. नीलिमा , कोर्स को कॉर्डिनेटर डॉ. रश्मि शर्मा,डॉ. आशा के. पी. ,डॉ. हेमंत कुमार,डॉ. दिव्या शर्मा,डॉ. सविता विश्नोई, प्रतिभागियों सहित स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित रहे। कोर्स कॉर्डिनेटर डॉ. ए नीलिमा द्वारा सर्टिफिकेट कोर्स की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम का आयोजन करने का आश्वासन दिया। सत्र में सभी प्रतिभोगियों सहित कोर्स कॉर्डिनेटर, कोर्स को कॉर्डिनेटर को सर्टिफिकेट वितरित किए गए। सभी प्रतिभागियों द्वारा कोर्स का फीडबैक दिया। कार्यक्रम संचालन डॉ. दिव्या शर्मा द्वारा किया गया तथा कोर्स के सफलता पूर्वक समापन के लिए डॉ. आशा के पी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जयपुर में रोजगार महोत्सव का होगा आयोजन

120 निजी नियोजक करेंगे 5 हजार से अधिक रिक्तियों पर योग्य युवाओं का चयन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में रोजगार महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस श्रृंखला का प्रथम कार्यक्रम 25 दिसम्बर को वाणिज्य महाविद्यालय, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर के परिसर में आयोजित किया जाएगा। आयुक्त, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता ऋषभ मंडल ने बताया कि रोजगार महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अधिकतम अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि उक्त रोजगार महोत्सव में निर्माण, लॉजिस्टिक, होटल, बैंकिंग, मेडिकल, सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मा, सिक्योरिटी, ई-कॉमर्स, कॉल सेंटर, बीमा सहित विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित लगभग 120 निजी नियोजक भाग लेंगे। नियोजक अपनी 5 हजार से अधिक रिक्तियों के अनुसार मौके पर ही युवा आशार्थियों का प्राथमिक चयन कर लाभान्वित करेंगे। इसके अतिरिक्त विभिन्न सरकारी विभाग भी रोजगार महोत्सव में सहभागिता कर अपनी विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करेंगे, जिससे आशार्थी योजनाओं का भी लाभ उठा सकें। अधिक से अधिक युवा आशार्थियों एवं नियोजकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रोजगार विभाग द्वारा QR Code / Employer Registration – Job Fair (EEMS 2.0) पोर्टल जारी किया गया है, जिसके माध्यम से आशार्थी एवं नियोजक पंजीकरण कर रोजगार मेले में भाग ले सकते हैं। राज्य स्तरीय रोजगार मेले में भाग लेने के लिए अब तक 120 से अधिक निजी नियोजक एवं 4 हजार से अधिक बेरोजगार अशार्थी पंजीकृत हो चुके हैं। इस रोजगार महोत्सव में 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, आईटीआई, नर्सिंग, पॉलिटेक्निक सहित सभी योग्यताधारी अभ्यर्थियों के लिए अवसर उपलब्ध हैं। सभी योग्य आशार्थियों से आग्रह है कि वे अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के साथ पंजीकरण कर रोजगार महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसका लाभ उठाएं।

राजस्थान विस अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पुस्तक "सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि" का विमोचन

अटल जी पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण भावुक क्षण-उपराष्ट्रपति

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा लिखित पुस्तक "सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि" का भव्य लोकार्पण मंगलवार को उपराष्ट्रपति एनक्लेव, नई दिल्ली में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष मिलिंद मराठे उपराष्ट्रपति के सचिव अमित खरे सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि आज का भारत विश्व में सबसे अधिक शक्तिशाली और सबसे अधिक संभावनाशील राष्ट्र बनकर उभर रहा है। भारत माता के चरणों में नमन करते हुए "सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि" जैसी पुस्तक का लोकार्पण करना उनके लिए अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जीवन और विचारों पर आधारित यह कृति सही समय पर आई है, क्योंकि देश अटल जी की जन्म शताब्दी के अवसर की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि वासुदेव देवनानी द्वारा लिखित यह पुस्तक अटल जी के जीवन, चरित्र और राष्ट्रवादी दृष्टि का अत्यंत अंतर्दृष्टिपूर्ण दस्तावेज है। इसमें भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति, आदर्श राजनीतिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं के प्रति अटल जी की आस्था को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया है। अटल बिहारी वाजपेयी एक राष्टनिर्माता थे, जिन्होंने मेट्रो रेल, आधारभूत ढांचा, पोखरण परमाणु परीक्षण और "जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान" जैसे युगांतरकारी निर्णयों से भारत को वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास से खड़ा किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सनातन संस्कृति, हिंदू संस्कृति और भारतीय संस्कृति पर पिछले दशकों में जो भ्रांतियां फैलाई गईं, उन्हें दूर करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ये शब्द परस्पर विरोधाभासी नहीं हैं, बल्कि एक ही भाव के द्योतक हैं। गडकरी ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल संदेश सर्वधर्म समभाव और विश्व कल्याण है। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति कभी संकुचित, सांप्रदायिक या जातिवादी नहीं रही, बल्कि न्याय, समभाव और सभी के साथ समान व्यवहार की पक्षधर रही है। उन्होंने सेकुलर शब्द के वास्तविक अर्थ सर्वधर्म समभाव को समझने पर भी बल दिया।

गडकरी ने कहा कि अटल जी के जीवन और विचारों को केंद्र में रखकर इस पुस्तक के माध्यम से सकारात्मक और प्रामाणिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का जो प्रयास वासुदेव देवनानी ने किया है, वह अत्यंत सराहनीय है। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह पुस्तक भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचार और कृतित्व को सनातन संस्कृति के शाश्वत मूल्यों के आलोक में समझने का एक विनम्र प्रयास है। उन्होंने कहा कि अटल जी का संपूर्ण जीवन संघ के संस्कारों, राष्ट्रप्रथम की भावना, संसदीय मर्यादाओं और सुशासन की अद्वितीय मिसाल रहा है।

देवनानी ने कहा कि एक प्रचारक से प्रधानमंत्री तक की अटल जी की यात्रा इस बात का प्रमाण है कि सनातन संस्कृति के मूल्य व्यक्ति को राष्ट्रसेवा के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचा सकते हैं। उनकी कविताएं, संसद में ओजस्वी भाषण, आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा, संयुक्त राष्ट महासभा में हिंदी में दिया गया ऐतिहासिक भाषण तथा परमाणु परीक्षण जैसे निर्णय भारत की आत्मविश्वासी चेतना के प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि 12 अध्यायों और 146 पृष्ठों में समाहित इस पुस्तक में अटल जी के व्यक्तित्व के विविध आयामों संघ से वैचारिक निकटता, संसदीय परंपराओं में आस्था, विदेश नीति, सांस्कृतिक चेतना तथा राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। देवनानी ने अपने शैक्षिक अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने पाठ्यक्रमों में भारतीय दृष्टिकोण को सशक्त करने का प्रयास किया। इतिहास लेखन में दृष्टि परिवर्तन की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि इसी भावना से पाठ्यपुस्तकों में अकबर महान के स्थान पर महाराणा प्रताप महान को स्थापित किया गया, क्योंकि महाराणा प्रताप भारतीय स्वाभिमान, त्याग और राष्ट्रधर्म के प्रतीक हैं। इस वैचारिक साहस को उन्हें संघ के संस्कारों से प्रेरणा मिली। अंत में देवनानी ने सभी अतिथियों, उपस्थित गणमान्यजनों तथा प्रभात प्रकाशन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह पुस्तक न केवल अटल जी के प्रति श्रद्धांजलि है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए राष्ट्रवाद, संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रेरक धरोहर भी है। समारोह का संचालन प्रभात प्रकाशन के निदेशक प्रभात कुमार ने किया। प्रभात प्रकाशन के निदेशक पीयूष कुमार ने उपराष्ट्रपति और सभी मंचासीन अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किए।

अरावली बचाने को लेकर करणी सेना का प्रदर्शन, 100 मीटर की परिभाषा पर उठाए सवाल

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में शामिल अरावली को बचाने की मांग को लेकर श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना की चित्तौड़गढ़ जिला इकाई ने जोरदार प्रदर्शन किया। संगठन की ओर से शहर में रैली निकालकर नारेबाजी की गई तथा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। करणी सेना के पदाधिकारियों ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा पर्वत की 100 मीटर ऊंचाई को लेकर की गई नई परिभाषा के बाद अरावली पर्वतमाला का लगभग 90 प्रतिशत क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो सकता है, जो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि अरावली केवल पहाड़ों का समूह नहीं है, बल्कि यह राजस्थान की जल सुरक्षा, भूजल संरक्षण, जैव विविधता और जलवायु संतुलन का मजबूत आधार है। इस दौरान पर संभाग अध्यक्ष कानसिंह सुवावा, जिला अध्यक्ष अरविंद सिंह सावा, संरक्षक महिपाल सिंह फाचर, पूर्व जिला अध्यक्ष ब्रजेंद्र सिंह भाटी, जिला प्रभारी विजय सिंह बिजयपुर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि अरावली के संरक्षण को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

'लीगल ऑफिसर पोर्टल' का शुभारंभ

विधि सेवा के कार्मिकों को एक ही मंच पर मिलेंगी आवश्यक सेवाएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शासन सचिवालय में विधि एवं विधिक विभाग के लीगल ऑफिसर पोर्टल' का शुभारंभ किया। पटेल ने कहा कि लीगल ऑफिसर पोर्टल के माध्यम से कार्मिकों से संबंधित डेटा का प्रभावी और सुरक्षित प्रबंधन किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस पोर्टल से स्थानांतरण प्रक्रिया और विभाग व कार्मिकों के बीच पत्राचार अधिक सरल, पारदर्शी और सुगम हो सकेगा। पटेल ने कहा कि भविष्य में विभागीय कार्यप्रणाली को पूरी तरह पेपरलेस बनाने में यह पोर्टल सहायक सिद्ध होगा और विधि सेवा के कार्मिकों को एक ही मंच पर विभागीय सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। प्रमुख शासन सचिव, विधि राघवेन्द्र काछ्वाल ने बताया कि अब विभाग द्वारा जारी किए जाने वाले स्थानांतरण, पदस्थापन, अतिरिक्त कार्यभार के आदेश लीगल ऑफिसर पोर्टल पर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि कार्मिकों को कार्यग्रहण रिपोर्ट इसी पोर्टल पर देनी होगी, किसी और माध्यम से दी गई रिपोर्ट्स स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस पोर्टल का विस्तार कर विधि सेवा के कार्मिकों से संबंधित कार्य जैसे अवकाश प्रार्थना पत्र, एन.ओ.सी सहित विभिन्न कार्य इस पोर्टल के माध्यम से किए जाएंगे। इस अवसर पर विधि मंत्री पटेल ने विधि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विभिन्न विभागीय विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान कार्मिकों ने विभागीय कार्यों के और अधिक प्रभावी एवं सुचारु क्रियान्वयन को लेकर सुझाव साझा किए।इस दौरान शासन सचिव, विधि विभाग सुरेश बंसल सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस समारोह में राज्य सेवा में चयनित युवाओं का किया सम्मान

सरयूपारीण ब्राह्मण समाज स्थापना दिवस एवं वार्षिक अधिवेशन संपन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सरयूपारीण ब्राह्मण समाज राजस्थान का वार्षिक उत्सव एवं स्थापना दिवस समारोह 200 फीट बाईपास रोड, निर्माण नगर स्थित जिंदल गार्डन में आयोजित किया गया। समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी और महासचिव सुरेंद्र प्रसाद चौबे ने जानकारी दी कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज की एकता को मजबूत करना और प्रतिभाशाली बच्चों और युवाओं को सम्मानित करना है। इस अवसर पर समाज के 15 प्रतिभावान बच्चों, राजकीय सेवा से निवृत्त, वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज के विकास में योगदान देने वाले सदस्यों का विशेष सम्मान किया गया। इसके अतिरिक्त विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय भी कराया गया।

चैतन्य मिशन ट्रस्ट जोधपुर के संस्थापक स्वामी ओम चैतन्य, स्वामी विष्णुदास जी महाराज, प्रोफेसर रमाकांत पांडेय, निदेशक, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर के द्वारा सरस्वती पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ समारोह का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में कोटा, बूंदी, नैनवां, जालौर, भिवाड़ी, जोधपुर, बीकानेर, सवाई माधोपुर सहित सम्पूर्ण राजस्थान से सरयू पारीण ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधि कार्यक्रम में पधारे। मुख्य वक्ताओं द्वारा समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए सभी सनातन बंधुओं को संगठित और एकजुट रहकर कार्य करने का आह्वान किया गया जिसके लिए ब्राह्मण समाज की अग्रणी भूमिका रहेगी। समारोह में अन्य समाजों, संगठनों और समाजसेवी बंधुओं ने भी भाग लिया। समाज के उपाध्यक्ष तुंग नाथ त्रिपाठी ने उपस्थित लोगों को आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन समाज के कोषाध्यक्ष जय नारायण शुक्ला ने किया।

समाज की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा नीरज मिश्रा के नेतृत्व में महिलाओं की विशेष भागीदारी रही। कार्यक्रम में दूरदराज से आए समाज बंधुओं के लिए ठहरने और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई।

सिवाना के मिनी माउंट के विकास का सपना साकार करने की दिशा में बड़ा कदम-भायल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। सिवाना क्षेत्र की छप्पन की पहाड़ियों में स्थित सुप्रसिद्ध एवं विख्यात ''हल्देश्वर महादेव मंदिर'' की तलहटी ग्राम पीपलून में ईको-ट्यूरिज्म के तहत विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक हमीर सिंह भायल ने कहा कि सिवाना के मिनी माउंट का विकास करना मेरा सपना है, जिसे साकार करने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण शुरुआत हुई है।

भायल ने कहा कि हल्देश्वर महादेव मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है और यह उनके भी आराध्य देव हैं। इसी भावना से उन्होंने इस मंदिर क्षेत्र को माउंट आबू की तर्ज पर विकसित करने का संकल्प लिया था। उन्होंने बताया कि राजस्थान सरकार के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा बजट में इस विकास की घोषणा कर आमजन के साथ-साथ उन्हें भी एक बड़ा तोहफा दिया गया है।

विधायक भायल ने बताया कि यह पहाड़ी क्षेत्र पूर्णतः वन क्षेत्र में होने के कारण इसके विकास के लिए वन विभाग ही एक उपयुक्त कार्यकारी संस्था है। उन्होंने स्थानीय विधायक निधि से भी वन विभाग को 20 लाख रुपये की राशि खर्च करने की अनुशंसा की है, जिससे भव्य प्रवेश द्वार एवं प्रमुख प्लेटफार्म का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में कई बार आरोप-प्रत्यारोप भी हुए, लेकिन वे बिना किसी अवरोध के मंदिर परिसर के विकास के लिए सतत प्रयासरत हैं। उन्होंने बताया कि विशेषकर बरसात के मौसम में यहां लाखों श्रद्धालुओं का जमावड़ा होता है। ईको-ट्यूरिज्म के तहत विकास होने से श्रद्धालुओं को सड़क, जन सुविधाएं, विश्राम स्थल जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वर्तमान में वन विभाग द्वारा मुख्य द्वार निर्माण, जन सुविधाएं, सड़क निर्माण एवं विश्राम हेतु टीन शेड जैसे कार्य प्रमुखता से किए जा रहे हैं। इस अवसर पर विधायक के निजी सहायक कोज सिंह ने बताया कि विधायक भायल वर्ष 2013 से हल्देश्वर मंदिर के विकास को लेकर निरंतर प्रयासरत हैं, जिसका परिणाम आज शिलान्यास के रूप में सामने आया है। आने वाले समय में सिवाना दुर्ग की तलहटी एवं हल्देश्वर पहाड़ी की तलहटी में सिवाना के गौरवशाली इतिहास को संजोते हुए एक पैनोरमा का निर्माण भी प्रस्तावित है।

वकील मंडल पिण्डवाड़ा के चुनाव सम्पन्न

अमर सिंह बने अध्यक्ष, 4 मतों से दर्ज की जीत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। पिण्डवाड़ा वकील मंडल के बहुप्रतीक्षित चुनाव शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए।

अध्यक्ष पद के लिए दो वरिष्ठ अधिवक्ताओं के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें अमर सिंह गढ़वी चारण पेशुआ (हाल निवासी रोहिडा) ने प्रताप राम पुरोहित को 4 मतों से पराजित कर अध्यक्ष पद पर विजय हासिल की। चुनाव प्रि या के तहत अध्यक्ष पद के लिए कुल दो नामांकन प्राप्त हुए थे। इनमें अमर सिंह गढ़वी चारण एवं प्रताप राम पुरोहित ने अपना-अपना नामांकन दाखिल किया। मतदान के दौरान कुल 54 मत डाले गए, जिनमें अमर सिंह गढ़वी को 29 मत प्राप्त हुए, जबकि प्रताप राम पुरोहित के पक्ष में 25 मत पड़े। मतगणना के बाद परिणाम घोषित होते ही अधिवक्ताओं में उत्साह और हर्ष का माहौल देखने को मिला। गौरतलब है कि अमर सिंह गढ़वी चारण का यह पहला कार्यकाल है, जब वे वकील मंडल पिण्डवाड़ा के अध्यक्ष बने हैं।

उड़ीसा, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की खनन क्षेत्र की कार्यप्रणाली औरबेस्ट प्रेक्टिसेज का वरिष्ठ अधिकारियों की टीम करेगी अध्ययन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने उड़ीसा, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की खनन क्षेत्र की कार्यप्रणाली और सर्वोत्तम प्रथाओं (बेस्ट प्रेक्टिसेज) का अध्ययन कराने का निर्णय लिया है। खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि खान व भूविज्ञान विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के तीन अलग अलग दल तीनों प्रदेशों में अध्ययन के लिए भेजे जा रहे है। उन्होंने बताया कि यह दल तीनों राज्यों में तकनीक का उपयोग, राजस्व वृद्धि और नियमों का अध्ययन कर राज्य सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि तीनों दल इन राज्यों के खनन रियायती नियमों, परिपत्रों,

चारागाह व अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में खनन की अनुमतियों, पर्यावरण पूर्वानुमतियों आदि की प्रक्रियाओं व समय सीमा, अवैध खनन निगर्मन की रोकथाम के प्रावधानों, तकनीक के उपयोग के साथ ही राजस्व प्राप्ति की प्रक्रियाओं का अध्ययन करेगी। उन्होंने बताया कि अध्ययन दल को इन राज्यों की खनन क्षेत्र की बेस्ट प्रेक्टिसेज का भी अध्ययन करने के निर्देश दिए गए हैं। यह दल प्रदेश के संदर्भ में अध्ययन रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत करेंगे।राज्य सरकार द्वारा तीनों राज्यों को भेजे जाने वाले दल में अधीक्षण खनि अभियंता स्तर के अधिकारी के साथ ही खनि अभियंता, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक और लेखा सेवा के अधिकारी का शामिल किया गया है। उड़ीसा के दल में अधीक्षण खनि अभियंता उदयपुर शिव प्रकाश शर्मा, खनि अभियंता नागौर जेपी गोदारा, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक सुशील कुमार और एएओ राजेश गर्ग को शामिल किया गया है। मध्यप्रदेश के दल में अधीक्षण खनि अभियंता डीपी गौड़, खनि अभियंता बिजौलिया प्रवीण अग्रवाल, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक महेश शर्मा और एएओ जयपुर पवन शर्मा की टीम बनाई गई है।

हिंदी का वैश्विक परिदृश्य और रोजगारपरक संभावनाएँ' विषय पर व्याख्यान आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हिंदी भाषा के शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं वैश्विक महत्व को रेखांकित करने की दृष्टि से राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'हिंदी का वैश्विक परिदृश्य और रोजगारपरक संभावनाएँ' विषय पर एक विशेष हिंदी व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो सुधीर सोनी,ओएसडी (मीडिया), राज्य चुनाव आयोग सचिवालय, जयपुर ने हिंदी भाषा की वैश्विक स्वीकार्यता और बदलते मीडिया परिदृश्य पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने प्रशासन, पत्रकारिता, अनुवाद, डिजिटल प्लेटफॉर्म तथा नवाचार आधारित संचार माध्यमों में हिंदी की बढ़ती भूमिका और रोजगार की उभरती संभावनाओं को रेखांकित किया। प्रो सोनी ने कहा की आज के डिजिटल युग में हिन्दी केवल साहित्य या संवाद की भाषा नहीं रही, बल्कि यह शासन, मीडिया और तकनीक के क्षेत्र में सशक्त करियर विकल्प के रूप में उभर रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हिंदी भाषा के माध्यम से रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं, आवश्यकता केवल यह है कि युवा स्वयं को ज्ञान, कौशल और समयानुकूल दक्षताओं से निरंतर समृद्ध करें। कार्यक्रम में प्रो. डी. सी. शर्मा, अधिष्ठाता अकादमिक ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी अपने राष्ट्र की भाषा है इसलिए हम सभी को इसे अधिक से अधिक अपनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि कुलपति प्रो. आनंद भालेराव के प्रयास से विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को परीक्षा में हिंदी भाषा में उत्तर लिखने की अनुमति प्रदान की गई है तथा पीएच.डी. के शोधार्थी अपना शोध प्रबंध भी हिंदी भाषा में लिख सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव अमरदीप शर्मा, ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी।

दिव्यांग बच्चों को कराया निःशुल्क भोजन

बालोतरा @ जागरूक जनता। विशेष योग्यजन कल्याण एव विकास संस्थान द्वारा संचालित विद्याश्रम पुनर्वास केंद्र नयापुरा जसोल में महावीर इंटरनेशनल बालोतरा द्वारा दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क भोजन करवा कर अपने मानवता का संदेश दिया गया। महावीर इंटरनेशनल अध्यक्ष वीर जवाहरलाल हुंडिया, संरक्षक वीर पारस मल जी भंडारी, वीर ओमप्रकाश जी बांठिया, वीर जवेरीलाल मेहता, सचिव वीर अशोक जी व्यास, संगठन मंत्री वीर हीरालाल प्रजापति, सह सचिव, कोषाध्यक्ष महावीर बोकाडिया, भंवरलाल भंडारी, दौलतराज सिंघवी ,सहित महावीर इंटरनेशनल के पदाधिकारीओ ने भोजन, मिष्ठान, एवं फल प्रदान किए। ओम जी बांठिया ने विशेष योग्यजन कल्याण एवं विकास संस्थान द्वारा संचालित विद्याश्रम के लिए संचालकों को धन्यवाद देते हुए मानव सेवा के उक्त कार्य को सराहनीय कदम बताया, संरक्षक पारसमल जी भंडारी ने कहा कि गुप्त दानदाता के सहयोग से निशुल्क भोजन व्यवस्था की गई है। संस्थान के अध्यक्ष चौथा राम प्रजापत ने सभी का स्वागत किया और साथ ही गौतम चंद प्रजापत संस्थापक विद्याश्रम पुनर्वास केंद्र जसोल ने अतिथियों को बहुमान और मोमेंटो करते हुए बताया कि संस्थान विगत 10 वर्षों से मानव सेवा में दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, रोजगार, आवास भोजन आदि जन सहयोग प्राप्त कर आवश्यक पूर्ति करता है। साथ ही जसोल बालोतरा के धार्मिक स्थल और ट्रस्ट द्वारा जन सहयोग हितार्थ आयोजन को लेकर कार्य करते हैं। जिसमे कोई दिव्यांग अनाथ असहाय नहीं लगे जिस तरह मानव सेवा को लेकर संस्थान कार्य कर रहे है। संस्थान में उपस्थित भामाशाह श्री महावीर इंटरनेशनल बालोतरा, संस्थान के पदाधिकारी के साथ ही महेंद सिंह बम्रला, गोमा देवी, अशोक प्रजापत, संगीता कुमारी, मोमाताराम सहित बच्चे उपस्थित रहे।